30 मई 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

गयाजी में कबाड़ की दुकान में लगी भीषण आग, 50 लाख रुपए की संपत्ति राख 5

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी पर सरकार पर बोला हमला, बिहार दौरे पर पटना में किया रोड शो

बंगाल में मची चीख-पुकार, अब नहीं चाहिए टीएमसी सरकार

- पीएम मोदी बोले- टीएमसी की सरकार को विकास से कोई लेनादेना नहीं है
- लगाया आरोप टीएमसी ने भ्रष्टाचार की हदें पार कर दी हैं
- कहा- बंगाल सरकार ने रोका हुआ है 90 हजार करोड़ के हाईवे और मेट्रो प्रोजेक्ट

एजेंसी/कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पश्चिम बंगाल दौरे में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी सरकार को निशाने पर लिया। पीएम मोदी ने राज्य के शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा है टीएमसी ने भ्रष्टाचार की हदें पार कर दी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी सरकार ने न सिर्फ गलत ढंग से नौकरी दी बल्कि शिक्षकों के परिवारों को तबाह कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी के भ्रष्टाचार के कारण बंगाल में मची चीख-पुकार, लोग कह रहे हैं कि अब नहीं चाहिए टीएमसी की सरकार। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। वह कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार की तुलना निर्मम सरकार से की, हालांकि उन्होंने अपने संबोधन में ममता बनर्जी का नाम नहीं लिया। उन्होंने टीएमसी सरकार कहकर ही हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीपुरद्वार में बीजेपी की रैली में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी पर सरकार पर जमकर हमला बोला।

पीएम मोदी ने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ, मालदा में जो कुछ हुआ, वो यहां की टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं किया गया है। उन्होंने आयुष्मान योजना से लेकर पीएम सड़क योजना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की सरकार को विकास से कोई लेनादेना नहीं है। पीएम मोदी ने कहा 90 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को बंगाल सरकार ने रोका हुआ है। पीएम मोदी ने इनमें हाईवे और मेट्रो जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा टीएमसी सरकार ने लटकाकर रखा है।

पीएम मोदी ने सत्ताधारी पार्टी स्वार्थ की राजनीति कर रही है। उन्होंने बंगाल में बंद रहे टी-गार्डन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार को आदिवासियों से कोई लगाव नहीं है। टीएमसी आदिवासी समाज को वंचित रखना चाहती है। पार्टी ने आदिवासी महिला राष्ट्रपति का विरोध किया। जनमन योजना भी लागू नहीं होने दी जा रही है। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी हुंकार भरी। पीएम मोदी ने जिन्होंने सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया था। हमारी सेना ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। पीएम मोदी ने हमने आतंक के उन ठिकानों को तबाह किया। जिनकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की थी।

बोले... एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है पश्चिम बंगाल

पीएम मोदी ने कहा, आज पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। एक संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा संकट माताओं बहनों को असुरक्षा का है, उनके साथ हो रहे जघन्य अपराधों का है। तीसरा संकट नौजवानों में फैल रही घोर निराशा का है, बेतहाशा बेरोजगारी का है। चौथा संकट घनघोर भ्रष्टाचार का है, यहां के सिस्टम पर लगातार कम होते जन-विश्वास का है। पांचवां संकट गरीबों का हक छिनने वाली सत्ताधारी पार्टी की स्वार्थी राजनीति का है। पीएम मोदी ने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता की, उसके बाद पश्चिम बंगाल में भी बहुत गुस्सा था। आपके भीतर जो आक्रोश था, आपका जो गुस्सा था, उसको मैं भलीभांति समझता था। आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया। हमारी सेना ने उनको सिंदूर की शक्ति का अहसास करा दिया। पहलगाम हमले के बाद अब भारत ने दुनिया को बता दिया है कि अगर अब भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो दुश्मन को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हे।

ममता के विवादित बोल, कहा मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा के सिंदूर वितरण कार्यक्रम पर प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सेना के शौर्य पर सियासत करने का आरोप लगाया है। पीएम मोदी और भाजपा पर हमला बोलते हुए विवादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों। वे अपनी पत्नी को सिंदूर क्यों नहीं देते? हालांकि, मैं इस संबंध में बात नहीं करना चाहती, लेकिन आपने मुझे बोलने के लिए मजबूर कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा उससे न केवल अंचभित हूं, बल्कि यह सुनना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष मिलकर दुनियाभर में देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। राष्ट्रीय हित में उन्होंने साहसिक कदम उठाया है। ऐसे समय में पीएम मोदी और उनके नेता कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे। ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को ललकारते हुए कहा कि मैं चुनौती देती हूं, हिम्मत है तो कल चुनाव लड़ें।

पीएम मोदी ने किया पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 मई को अपने दो दिवसीय बिहार दौरे की शुरूआत पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से की। पीएम शाम 4 बजे पटना एयरपोर्ट पहुंचे। उसके बाद नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तैयार हुआ यह नया टर्मिनल न सिर्फ वास्तुशिल्प के लिहाज से भव्य है, बल्कि इसकी सुविधाएं भी अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित हैं। अत्याधुनिक तकनीकों और यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह टर्मिनल बिहार के हवाई यातायात को नई दिशा देगा। इस नए टर्मिनल से हजारों यात्रियों को तेज, आरामदायक और सुरक्षित सेवाएं मिल सकेंगी। इसमें आधुनिक चेक-इन काउंटर, हाई-स्पीड बैगेज सिस्टम, यात्रियों के लिए आरामदायक प्रतीक्षालय और उन्नत सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पीएम मोदी ने इसे नए बिहार के नए प्रवेश द्वार की संज्ञा दी है। इस टर्मिनल के शुरू होने से पटना अब देश के प्रमुख एयरपोर्ट्स की कतार में शामिल हो गया है।

रोड शो में लगते रहे मोदी-मोदी और जिंदाबाद के नारे

बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में लोगों का गजब का उत्साह देखने को मिला. पीएम मोदी का जिस-जिस रास्ते से होकर गुजरे, वहां दोनों तरफ लोगों की लंबी कतार लगी रहीं। जो 'पीएम मोदी जिंदाबाद' और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाते नजर आए। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान कोई शंख बजाता नजर आया तो कोई डमरू, किसी ने दीया जलाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। लोग अपने-अपने घरों की छत और बालकनी में खड़े नजर आए। इस दौरान पीएम मोदी भी लोगों को नमस्कार करते और हाथ हिलाकर अभिवादन करते नजर आए। मालूम हो कि बंगाल से बिहार पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। एयरपोर्ट परिसर से ही पीएम ने रोड शो की शुरूआत की। उनका रोड शो बीजेपी के प्रदेश कार्यालय तक हुआ। यह रोड शो करीब 5 किलोमीटर लंबा रहा। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान पटना में जिस तरह का उत्साह देखा गया, इससे आगे का संकेत भी मिलता है। मालूम हो कि बिहार में कुछ महीनों बाद विधानसभा चुनाव होना है। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुट चुकी हैं।

नए टर्मिनल का डिजाइन एकदम खास है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि इसमें बिहार की सांस्कृतिक झलक साफ दिखे। टर्मिनल की बाहरी दीवारों पर मधुबनी पेंटिंग और मिथिला कला को दशार्या गया है। इमारत का स्ट्रक्चर स्टील और ग्लास से बना है, जो इसे अत्याधुनिक बनाता है। बिल्डिंग में भरपूर प्राकृतिक रोशनी आने की व्यवस्था की गई है, जिससे बिजली की खपत कम हो और यात्रियों को ताजगी का अनुभव मिले। नया टर्मिनल दो मंजिला इमारत है। नीचे का फ्लोर अराइवल और ऊपर का फ्लोर डिपार्चर के लिए बनाया गया है। टर्मिनल का कुल क्षेत्रफल लगभग 65,000 वर्ग मीटर है। इसमें एक साथ 1,500 यात्रियों को संभालने की व्यवस्था है। यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वेटिंग एरिया, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, और एयरलाइंस के काउंटर को बहुत ही व्यवस्थित ढंग से डिजाइन किया गया है।

भारत में कोरोना के 1200 से अधिक मामले

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत में कोरोना वायरस के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी देखी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में सक्रिय मामलों की संख्या 1200 से अधिक हो गई है। केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। राज्यों को निगरानी और सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। पहले यहां चार मरीज भर्ती थे, जिनमें से दो की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद अब केवल दो मरीज ही भर्ती हैं। दोनों मरीजों की स्थिति स्थिर बनी हुई है और वे अब बेहतर महसूस कर रहे हैं। उन्हें चार दिन पहले सांस लेने में तकलीफ और तेज बुखार के कारण भर्ती कराया गया था।

कोविड-19 वार्ड के नोडल ऑफिसर डॉ. पवन कुमार ने बताया कि फिलहाल अस्पताल में केवल दो मरीज भर्ती हैं और दोनों की हालत स्थिर है। डॉ. पवन के अनुसार, कोविड का नया वेरिएंट पुराने वेरिएंट्स की तुलना में ज्यादा खतरनाक नहीं है। संक्रमित मरीजों में मुख्य रूप से खांसी और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं। हालांकि इसकी संक्रामकता के बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता। उन्होंने बताया कि पहले की लहरों में मरीजों को ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और आईसीयू की जरूरत पड़ी थी, लेकिन फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं है।

पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हिमाचल प्रदेश से एक युवक गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

कई गिरफ्तारिया के बाद अब हिमाचल प्रदेश में भी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। युवक की पहचान कांगड़ा जिले के देहरा उपमंडल के सुखाहर क्षेत्र से अभिषेक के रूप में हुई है जो एक कॉलेज ड्रॉपआउट है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है, जिसके बाद पुलिस ने सुबह करीब 4 बजे युवक के घर पर छापा मारा। देहरा के एसपी मयंक चौधरी ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि अभिषेक की गतिविधियों पर पिछले कुछ हफ्तों से खुफिया एजेंसियों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। उस पर संदेह है कि वह सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचा रहा था। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 152 के तहत मामला दर्ज किया गया है और ये मामला सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है।

मोतिहारी में भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मोतिहारी जिले के डुमरिया घाट थाना क्षेत्र में सरोतर चंवर के पास मेवात लाइन होटल के समीप गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शादी समारोह से लौट रहे एक टेम्पो ने सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान तीन अन्य यात्रियों की जान चली गई। इसके अलावा चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज मोतिहारी के अस्पताल में चल रहा है।

मृतकों में दीपक (40 वर्ष), जो कामाख्या साह के पुत्र हैं, और यशराज (20 वर्ष), जो आशनारायण साह के पुत्र हैं, शामिल हैं। ये दोनों मोहम्मदपुर लोहारगांव के निवासी हैं और केसरिया थाना क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। इसके अलावा रितेश कुमार (10 वर्ष) और नीतीश कुमार भी इस हादसे में मारे गए। दोनों सिवान जिले के मौके भगवानपुर के रहने वाले हैं और राधेश्याम साह के पुत्र बताए जा रहे हैं। घायलों में सन्नी कुमार, सुजल साह, अमन कुमार और रामजीवन कुमार शामिल हैं, जो सभी मोहम्मदपुर गांव, वार्ड संख्या एक, पंचायत लोहारगांव, थाना केसरिया के निवासी हैं। जानकारी के मुताबिक सभी यात्री शादी समारोह में शामिल होकर मोतिहारी आए थे और वहीं रात बिताई। सुबह वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। टेम्पो ने खड़ी ट्रक से टक्कर मारी, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बाद में गंभीर हालत में चारों को मोतिहारी के अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान तीन की मौत हो गई।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिख पुनर्वास पैकेज की मांग की

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर के पुंछ और अन्य पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों के लिए ठोस, उदार और त्वरित राहत एवं पुनर्वास पैकेज की मांग की। पिछले शनिवार को राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने 7 से 10 मई के बीच सीमा पार हुई गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और अन्य पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में गांधी ने कहा कि मैंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह तबाह हो गए हैं।

बीजेपी ने दिल्ली वालों का जीवन नर्क बनाया

आप का आरोप

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में बीजेपी की सरकार के शुक्रवार को 100 दिन पूरे हो रहे हैं। उससे पहले गुरुवार को विपक्षी दल आम आदमी पार्टी ने रिपोर्ट कार्ड जारी किया है। पूर्व सीएम आतिशी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेखा गुप्ता की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 100 दिन में दिल्ली वालों का जीवन नर्क बना दिया। 10 साल की चलती हुई दिल्ली की व्यवस्थाओं को उसने ठप कर दिया है। आप नेता ने कहा कि हम 15 मुद्दों पर 100 दिन के बीजेपी के फेलियर का रिपोर्ट कार्ड पेश कर रहे हैं। ये रिपोर्ट कार्ड हम दिल्ली में घर-घर तक ले जाएंगे। दिल्ली में घंटों-घंटों पावर कट लग रहे हैं। क्या हम 2025 में रहते हैं।

आतिशी ने कहा कि 7 से 15% तक PPAC के नाम पर बढ़ा दिए गए हैं। अगले महीने से बढ़े हुए बिल आने लग जाएंगे। प्राइवेट स्कूलों की फीस पर लगाम लगी हुई थी लेकिन जिस दिन से बीजेपी की सरकार आई फीस में भी बढ़ोतरी हो गई है। पूर्व सीएम ने कहा कि दिल्ली में इस वक्त पानी की त्राहि-त्राहि मची हुई है। आज दिल्ली में जगह-जगह सीवर से पानी आ रहा है। डॉक्टर बताएंगे कि आज पेट की बीमारियां बड़े पैमाने पर हो गया है। आप नेता ने कहा कि बीजेपी लगातार दिल्ली में जनहित की योजनाओं को बंद कर रही है। मोहल्ला क्लीनिक, फरिश्ते योजना बंद कर दी गई है। बीजेपी ने मात्र 100 दिन में 25000 लाचार विधवा महिलाओं की पेंशन काट दी।

पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर भारत ने फिर अपनी स्थिति साफ की

पीओके खाली किए बैगर जम्मू-कश्मीर पर कोई बातचीत नहीं होगी

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर भारत ने फिर अपनी स्थिति साफ कर दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी तरह के रिश्ते द्विपक्षीय होने चाहिए और इनमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने बताया कि भारत ने पाकिस्तान को वर्षों पहले उन कुख्यात आतंकवादियों की सूची सौंपी थी, जिन्हें अब तक सौंपा नहीं गया है। पाकिस्तान से भारत की यह मांग बनी हुई है कि वह इन आतंकवादियों को भारत के हवाले करे। जायसवाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पर कोई भी बातचीत तब तक नहीं होगी, जब तक पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) खाली नहीं किया जाता और वह इलाका भारत को नहीं सौंपा जाता। सिंधु जल संधि को लेकर भी भारत ने सख्त रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समर्थन देना बंद नहीं करता। रणधीर जायसवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार या टैरिफ से जुड़ी कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच संघर्षविराम का निर्णय भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच सीधे संपर्क के माध्यम से लिया गया था न कि किसी बाहरी दबाव में।

ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, कुछ समय पहले ईरान के तेहरान में उतरे तीन भारतीय नागरिक लापता हैं। हम उनका पता लगाने, उनकी सुरक्षा और उनके घर वापसी के लिए ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं। हमें ईरानी पक्ष से अच्छा सहयोग मिल रहा है।

कार्रवाई शुरूः कुर्की जब्ती को लेकर पुलिस छावनी में तब्दील हुआ अहियापुर गांव

ट्रिपल मर्डर केस में पुलिस ने बुलडोजर चला पांच आरोपियों के घर किए ध्वस्त

- घटना के छठवें दिन कुर्की कर प्रशासन ने साफ कर दिए है इरादे
- एसपी व डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम की मौजूदगी से आरोपियों के समर्थकों में मच गया हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर थाना क्षेत्र के अहियारपुर गांव में हुए बहुचर्चित ट्रिपल हत्याकांड मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर पांच आरोपियों का घर बुलडोजर चला ध्वस्त कर दिया। इस दौरान गांव में भारी संख्या में पुलिस टीम तैनात थी। जिन आरोपियों के घर ध्वस्त किया गया है उनमें पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व मुखिया मनोज यादव, बटेश्वर यादव, अभिषेक यादव, महेंद्र यादव और कुणाल यादव शामिल हैं। इनमें मनोज व संतोष दोनों सगे भाई है तथा दोनों का संयुक्त घर है।

डीएम अंशुल अग्रवाल ने इसके लिए बतौर मजिस्टेज्ट राजपुर बीडीओ सिद्धार्थ कुमार व सीओ डॉ. शोभा कुमारी को नियुक्त किया था तथा दिन में ही कुर्की जब्ती की कार्रवाई का निर्देश दिया गया था, लेकिन दोनों अधिकारी देर शाम पहुंचे, इसके बाद कुर्की जब्ती की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान एसपी शुभम आर्य, बक्सर सदर डीएसपी धीरज कुमार व राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थी।

वहीं, बक्सर सदर एसडीएम अविनाश कुमार ने इसके लिए छह बुलडोजर व आठ टैज्क्टर मुहैया कराया था। सबसे पहले आरोपियों के घरों के पालतू मवेशियों को खोल हटाया गया। इसके बाद कुर्की जब्ती की कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासन की निगरानी आरोपियों के घरों की खिड़की दरवाजे व दीवारे तोड़ते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीण इस कार्रवाई को दूर से ही देख रहे थे। बता दें कि इस मामले में पुलिस ने दो दिन पहले ही आरोपियों के घर इश्तेहार चस्पा उन्हें 24 घंटे के अंदर हाजिर होने का निर्देश दिया था, लेकिन प्रशासन के इस फरमान के बावजूद आरोपी सरेंडर नहीं किए, जिसके बाद प्रशासन द्वारा कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से जहां आरोपियों व उसके समर्थकों में हड़कंप मच गया है, वहीं पीड़ित परिवारों ने राहत की सांस ली है। हालांकि, मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ितों में अभी भी भय बना हुआ है।

निर्मूल साबित हुई विरोध की आशंका: ट्रिपल मर्डर के आरोपियों के रसूख व उनकी दबंगता को देखते हुए प्रशासन को इस बात का अनुमान था कि शायद कुर्की जब्ती की कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक टीम को विरोध का सामना करना पड़ सकता है। इसे देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में तैनात किया गया था। खुद एसपी इसकी मॉनिटरिंग कर रहे थे तथा भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। शायद पुलिस की भारी संख्या को देखते हुए आरोपियों के समर्थक मुंह खोलने को तैयार नहीं हुए।

19 नामजद व तीन अज्ञात पर दर्ज कराया गया है एफआईआर: बता दें कि ट्रिपल मर्डर के पीड़ितों ने इस मामले में संतोष यादव व मनोज यादव के अलावे कुल 19 नामजदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करया था। पुलिस इनमें से मात्र एक आरोपी को ही गिरफ्तार कर सकी है।

पुलिस के त्वरित ऐक्शन से आरोपियों व अपराधियों में मच गया हड़कंप : बता दें कि अहियापुर ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपियों के अलावे इलाके के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने इस घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के छठवे दिन ही आरोपियों की संपति तक कुर्क कर डाली।

बता दें कि 23 शनिवार को राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में संतोष यादव व मनोज यादव ने वर्चस्व की जंग में अपने गुर्गो के साथ मिल गांव में कत्लेआम मचाया था। इस दौरान तीन लोगों की मौके पर मौत हुई थी और दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। मामले में पुलिस ने 25 मई को पुलिस ने न्यायालय से वारंट प्राप्त कर लिया था, 27 मई को आरोपियों के घर इश्तेहार चश्पाया गया तथा 29 मई को कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गई। वहीं, जिले के इतिहास में शायद यह पहली वारदात है, जिसमें पुलिस ने छह दिनों में ही आरोपियों की संपति कुर्क कर डाली है। पुलिस के इस त्वरित ऐक्शन की सराहना पीड़ित परिवारों के अलावे आम लोगों द्वारा की जा रही है।

सभी की संलिप्तता की हो रही है जांचः एसपी

मामले में एसपी ने बताया कि अहियापुर ट्रिपल मर्डर को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। इसके लिए जिला स्तर पर एडीम रेवेन्यू के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया है। इसके अलावे ईओयू की टीम भी जांच कर रही है। इस मामले में सरकारी कर्मियों की संलिप्तता की जांच भी की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों को लाभ देने के लिए सरकारी संपति का दुरूपयोग तो नहीं किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। वहीं, एसपी ने कहा कि यह घटना काफी जघन्य है। पुलिस ने इसे काफी गंभीरता से लिया है तथा तुरंत न्यायालय से कुर्की जब्ती प्राप्त कर गुरूवार को आरोपियों के चल व अचल संपति को कुर्क किया गया। एसपी ने कहा कि जिले में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों के लिए यह कार्रवाई एक चेतावनी है। अब अपराध करने से पहले अपराधी कई बार सोंचने पर मजबूर होंगे।

डीएम ने निलंबित किया राजपुर ट्रिपल मर्डर के मुख्य आरोपी के हथियारों का लाइसेंस

- एक सप्ताह में जबाव देने का मिला है निर्देश, जबाव नहीं देने पर रद्द होगा लाइसेंस

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर ट्रिपल मर्डर मामले में प्रशासन अब पूरी सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी संतोष यादव की रायफल व पिस्टल के लाइसेंस को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आरोपियों को एक सप्ताह का निर्देश दिया गया है, एक सप्ताह के अंदर संतोषजनक जबाव नहीं देने पर लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। निलंबन की यह कार्रवाई राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह की अनुशंसा पर की गई है।

बता दें कि 23 मई को राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में वर्चस्व की जंग में संतोष यादव व उसके भाई मनोज यादव ने अपने गुर्गों के साथ मिल खून की होली खेली थी। इस घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से जख्मी है, जिनमें एक का पैर काटना पड़ा है। इस घटना में संतोष के लाइसेंसी हथियारों का उपयोग भी किया गया था। संतोष को वर्ष 2004 में एक रायफल व एक पिस्टल का लाइसेंस मिला था।

इस ट्रिपल मर्डर केस में संतोष कुमार मुख्य नामजद आरोपी बनाया गया है। उसी को आधार बनाते हुए लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा की गई थी। नियमानुसार तत्काल दोनों हथियार का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गई है। यदि सही जवाब प्रशासन को उपलब्ध नहीं कराया जाता है। तब हथियार का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। गौरतलब हो कि इस वारदात में शामिल मनोज यादव व संतोष यादव समेत कई अन्य आरोपी फरार चल रहे है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाईः एक साथ 62 शिक्षकों को शो-कॉज जारी

- शिक्षा विभाग की इस कारवाई से जिले के शिक्षकों में मची हड़कंप, आगे भी होगी कारवाई
- चार प्रखंड के शिक्षकों ने ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर हाजिरी दर्ज करने में बरती अनियमिता

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में पहली बार शिक्षा विभाग ने शिक्षकों पर सामुहिक रूप से शो-कॉज जारी किया है। इस संबंध में डीपीओ स्थापना विष्णुकांत राय ने गुरुवार को तीन पत्र जारी किया है। इसमें एक साथ विभिन्न प्रखंडों के 62 शिक्षकों को शो-कॉज जारी किया गया है। इनमें राजपुर प्रखंड के 18, ब्रह्मपुर प्रखंड के 20, नावानगर के 12 एतथा सिमरी के 12 शिक्षक शामिल हैं। पत्र के माध्यम से शिक्षक के रूप में दायित्व निर्वहन नहीं किये जाने, विभाग को गुमराह करने और बिना काम किये वेतन लेने का प्रयास आरोप लगाया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार शिक्षकों की उपस्थिति के लिए विभाग ने ई-शिक्षा कोष ऐप पार्टल के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने का निर्देश दिया था। इस क्रम में ई-शिक्षा कोष ऐप पर शिक्षकों द्वारा फर्जी रूप से उपस्थिति दर्ज कराई जाने लगी। इस कारण शिक्षा विभाग ने सख्त कदम उठाना शुरू किया है। विभाग से विद्यालयों में शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

बावजूद इसके शिक्षक आदतन विद्यालय से बहार रहने के बावजूद फर्जी तरीके से उपस्थिति दर्ज किया गया है। चिह्नित शिक्षकों के कारनामे विभाग अनुश्रवण कर रहा था। इसके तहत गुरुवार को शिक्षा विभाग ने बड़े पैमाने पर कारवाई किया है। बताया जा रहा है कि ई-शिक्षा कोष ऐप पर शिक्षकों के प्रतिदिन विद्यालय पहुंचने एवं विद्यालय से प्रस्थान का दर्ज किये जाने वाली समयावधि तथा मोबाईल कैमरे द्वारा प्रविष्टि फोटो के सूक्ष्म जांच के क्रम में पाया गया की संबंधित शिक्षकों द्वारा कई कार्य दिवसों को विद्यालय में बिना उपस्थिति के ही फर्जी ढंग से पूर्व से खीचें हए फोटो के माध्यम ई-शिक्षा कोष ऐप पर उपस्थिति दर्ज किया जा रहा है। कई कार्य दिवसों को मनमाने तरीके से उपस्थिति दर्ज ही नहीं की जा रही है।

ट्रांसजेंडर के एकीकरण एवं पुनर्वास को ले दो सदस्यों को सितारा योजना का मिला प्रशिक्षण

बक्सर। बिहार राज्य के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ताओं और पारा लीगल वालेंटियर के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के एकीकरण और उनके पुनर्वास और न्याय तक पहुंच प्रदान करने की योजना (सितारा) पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पटना के कार्यालय में आयोजित की गई। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बक्सर के पैनल अधिवक्ता विद्या सागर तिवारी एवं पारा लीगल वालेंटियर सुरेन्द्र पांडेय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर के लिए लाई गई सितारा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पटना रजिस्ट्रार ने पीएलवी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित की। कार्यक्रम उपरांत बालसा पटना के रजिस्ट्रार, ज्वाइंट सेकेट्री मेम्बर, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट बिहार के वरीय पदाधिकारी एवं ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट की गरीमामयी उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डालसा सचिव सह न्यायाधीश नेहा दयाल एवं कर्मियों ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सितारा योजनाओं को बक्सर में शत प्रतिशत लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

वायर जलने से 24 घंटे से बाधित है डुमरांव टेक्सटाइल फीडर की आपूर्ति, वार्डवासी परेशान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के टेक्सटाइल फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ गई है। इस फीडर से जुड़े कमल नगर और टेक्सटाइल कॉलोनी जैसे शहर के सघन इलाके में 24 घंटे से बिजली आपूर्ति बाधित है। जिस कारण इस फिगर से जुड़े एक हजार परिवार पिछले 24 घंटे से खासा परेशान है। बिजली कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि इस फीडर में वायर जलने से आपूर्ति बाधित हुई है मरम्मत करवाया जा रहा है।

वहीं, लोगों का कहना है कि पिछले 24 घंटे में उन्हें बहुत कम बिजली आपूर्ति मिली है वह अभी किस्तों में मिली आपूर्ति से लोग ना तो पेयजल की व्यवस्था कर पाए और न हीं उनके इनवर्टर चार्ज हो पाए हैं, जिस कारण गुरुवार के शाम से ही इलाका घुप अंधेरे में डूबा हुआ है।

महल वायर जलने से 24 घंटे तक बिजली आपूर्ति के बाधित होना विभागीय कर्मियों के लापरवाही को दशार्ता है वह भी तब जबकि बिजली प्राइवेट कंपनी हो गई है तथा लोगों के द्वारा दिया गया रेवेन्यू से हैं कर्मियों और अधिकारियों का वेतन तक मिल पाता है। कंपनी के अधिकारी ऐसे लोकल फालतू के मरम्मत के प्रति किस कदर उदासीन रहते हैं। टेक्सटाइल फीडर में जले केबल की मरमत में लगे लगभग 24 घंटे इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

बता दे की टेक्सटाइल फीडर से जिन उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति दी जाती है उनमें सिर्फ जतकुटवा बस्ती को छोड़ दिया जाए तो सभी घरों में मोटर के सहारे ही पेयजल की व्यवस्था होती है।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से पेयजल के साथ ही लोगों को भीषण गर्मी से जूझना पड़ा है जिस कारण उनमें गहरा आक्रोश है।

लोगों का कहना है कि इससे अच्छी व्यवस्था तो जब बिजली सरकार के जिम्मे थी उस समय था। बिजली कंपनी के प्राइवेट होने के बाद उपभोक्ताओं को सिर्फ स्मार्ट मीटर ही थोपा गया है, कंपनी द्वारा आपूर्ति स्मार्ट नहीं की जा सकी है।

इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता राकेश कुमार दुबे ने बताया कि जले केबल की मरम्मत कर आपूर्ति दुरुस्त करने का प्रयास किया

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीति करने का लगाया आरोप

बक्सर। बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरीय नेता टीएन चौबे ने कहा कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार आपरेशन सिंदूर के नाम पर वोट मांगने की कि राजनीति शुरू कर दी है। घर-घर सिन्दूर पहुंचाने का काम अभियान चलाने का ऐलान कर दिया। सिन्दूर औरतों के सुहाग की निशानी है। राजनीतिक प्लेटफार्म पर प्रचार-प्रसार का माध्यम नहीं है।

उन्होंने कहा कि केंद्र के हर मंत्री और एनडीए के सांसद घर-घर जाकर औरतों को सिन्दूर देंगें। क्या सरहद पर मारे गए जवानों के वीर-वधुओं से मिलने गये मोदीजी। नहीं गये, लेकिन उन उजडे सिन्दूर का मजाक बना कर वोट की राजनीति करना शुरू कर दिए, शर्म आनी चाहिए उन्हें। भारत कि जनता भाजपा के इस उदंड हरकत कि भरपूर विरोध में है।

ससुराल में शादी समारोह में शरीक होने आए दामाद की हादसे में मौत

केटी न्यूज/चौगाईं

मुरार थाना क्षेत्र के वसंतपुर गांव में एक आश्चर्यजनक दुर्घटना में एक अधेड़ की मौत हो गई। वह अपने ससुराल में आयोजित एक शादी समरोह में शामिल होने आया था। यह शादी ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर में आयोजित हुई थी। शादी संपन्न करा बुधवार की देर शाम लौटने के दौरान वह हादसे का शिकार हो गया।

मृतक की पहचान रोहतास जिले के ससाढ़ी गांव निवासी शिव कुमार पिता नथुनी पासवान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार उसकी ससुराल वासुदेवा थाना क्षेत्र के कुलमनपुर गांव में थी तथा वह अपने सुसर की बहन की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए आया था। मृतक अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी, बच्चियों तथा ससुराल पक्ष के साथ ही स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था।

ट्रैक्टर की टक्कर से ऑटो के बाहर गिरा शिव कुमारः घटना के संबंध में उसके ससुर सुरेन्द्र पासवान ने बताया कि हम सभी शादी संपन्न करा ऑटो से कुलमनपुर लौट रहे थे। जैसे ही ऑटो मुरार थाना क्षेत्र के वसंतपुर गांव के समीप पहुंची कि पिछे से तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रैक्टर टेम्पो के काफी करीब से तेजी से निकल गई, इस दौरान टेम्पो के साइड वाले सीट पर बैठा शिव कुमार ट्रैक्टर से खींच गया तथा सड़क पर आ गिरा। उसके सर व छाती पर गंभीर चोटे आई थी। आनन फानन में टेम्पो रोक उसे चौगाईं सीएचसी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया है। सबसे खराब स्थिति उसकी पत्नी की थी।

लुधियाना में किसी कंपनी में मजदूरी करता था मृतकः जानकारी के अनुसार वह अपनी बेटी को बिहार पुलिस की तैयारी करवा रहा था। बच्चों की परवरिश के लिए ही वह पंजाब के लुधियाना में किसी कंपनी में मजदूरी करता था। एक पखवाड़े पूर्व ही वह इसी शादी में शामिल होने गांव आया था, लेकिन होनी को कुछ और मंजूर था।

घटना के बाद स्वजनों तथा स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं ने इस घटना के बाद प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

वहीं, मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस दुर्घटना को अंजाम देने वाली ट्रैक्टर का पता लगा रही है।

बिक्रमगंज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बक्सर वासियों को देंगे बड़ी सौगात

खुशखबरीः बक्सर भरौली के बीच मिलेगा तीन लेन का एक और पुल, सुगम होगा सफर

- भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आज 30 मई को शाहाबाद की धरती बिक्रमगंज में आगमन होगा। जहां से विकास योजनाओं की सौगात भी विभिन्न जिलों के साथ ही बक्सर को मिलेगा। बिक्रमगंज की सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के साथ-साथ बक्सर को एक बहुत बड़ी सौगात देने की घोषणा करने वाले हैं।

मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान बक्सर से भरौली तीन लेन पुल का शिलान्यास नरेंद्र मोदी के हाथों किया जाएगा। जिसके बाद जिले की कनेक्टिविटी उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य प्रदेशों से बढ़ेगी। वहीं नगर में जाम की कायम रहने वाली समस्या का समाधान हो जाएगा।

कार्यक्रम की पूर्व संध्या के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी बक्सर के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन अपने कार्यकताओं के साथ शिलान्यास होने वाले स्थल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी बिहार से और खासकर बक्सर से बहुत लगाव रखते हैं। बक्सर से भरौली तीन लेन पुल के निर्माण होने से बिहार के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लोगों को भी लाभ होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मोदी का विजन बिल्कुल स्पष्ट है, वे भारत व बिहार दोनों को विकसित बनाने का प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के साथ ही इस दिशा में उन्होंने प्रयास तेज कर दिए थे।

वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ राजेश सिन्हा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिक्रमगंज में होने वाली सभा ऐतिहासिक होने जा रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से देशभर में प्रधानमंत्री के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। खासकर महिलाओं में उनके प्रति गजब का उत्साह है। बिक्रमगंज की सभा में इस बार रिकार्ड भीड़ उमड़ेगी। राजेश ने कहा कि बक्सर जिले से भी 40 हजार से अधिक लोग बिक्रमगंज की सभा में पहुंचेंगे तथा प्रधानमंत्री का भाषण सुनेंगे।

उक्त मौके पर बिनोद राय, लक्ष्मण शर्मा तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

पीएसपी के सहयोग से कोरानसराय के सात हाथीपांव मरीजों का बना यूडीआईडी

♦ पीएसपी सदस्य मुखिया व आशा कार्यकर्ता ने हाथीपांव के 10 मरीजों का कराया ऑनलाइन आवेदन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया के हाथीपांव के मरीजों को दिव्यांगता की श्रेणी में शामिल कर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। इसमें हाथीपांव के मरीजों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने में रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) भी विशेष भूमिका निभा रहा है। कोरानसराय हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अंतर्गत बने रोगी हितधारक मंच के सदस्यों ने मिलकर कुल 10 हाथीपांव के मरीजों का ऑनलाइन आवेदन किया है, जिनमें सात हाथीपांव के मरीजों का दिव्यांग प्रमाण पत्र और यूनिक डिसेबिलिटी आइडेंटिटी (यूडीआईडी) कार्ड जेनरेट कराया जा चुका है। शेष योग्य हाथीपांव के मरीजों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया दूसरे चरण में की जाएगी।

कोरानसराय मुखिया सह पीएसपी सदस्य कांती देवी व आशा कार्यकर्ता सुजाता देवी के सफल प्रयासों की मदद से हाथीपांव के मरीजों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की दिशा में कार्य तेजी से किया जा रहा है।

अब न केवल हाथीपांव बल्कि अन्य कारणों से दिव्यांग मरीजों में भी जागरूकता बढ़ रही है, जिससे वो योजना का लाभ लेने के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं।

हाथीपांव के मरीजों को दी गई थी इसकी जानकारी : मुखिया कांती देवी ने बताया कि पिछले माह 19 अप्रैल को पंचायत सरकार भवन पर अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस दौरान पीएसपी के माध्यम से हाथीपांव के 11 मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण भी किया गया था। जिसमें प्रखंड स्तरीय अधिकारी भी शामिल हुए थे। उन्होंने मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए जानकारी दी थी। जिसके बाद आशा कार्यकर्ता की मदद से हाथीपांव के मरीजों को जानकारी देते हुए उनका ऑनलाइन आवेदन कराया गया। तत्पश्चात सदर अस्पताल में जाकर हाथीपांव के मरीजों की दिव्यांगता प्रतिशत की जांच कराई गई तथा उनका यूडीआईडी कार्ड जेनरेट किया गया।

चिह्नित किए जा रहे हैं हाथीपांव के गंभीर मरीज : कोरानसराय हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) पूर्णिमा कुमारी सिंह ने बताया कि पीएसपी के गठन के बाद से पंचायत में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की दिशा में कार्य तेज हुए हैं। पीएसपी के गठन के बाद सर्वप्रथम फाइलेरिया के हाथीपांव व हाइड्रोसील के मरीजों को चिह्नित करने के बाद उनका सत्यापन कर लिंकेज कराया गया। फिलवक्त हाथीपांव के मरीजों के गंभीर लक्षण वाले मरीजों को चिह्नित कर उनका दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया चल रही है। साथ ही, शेष बचे हुए मरीजों को एमएमडीपी किट देने के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर शिविर का आयोजन कराया जाएगा।

एक नजर

डीएसपी ने सड़कों पर दुकानदारों द्वारा फैलाये गए सामानों को हटवाया, दी कड़ी चेतवानी

डुमरांव। गुरुवार की शाम मुख्य मंडी गोला रोड की सड़क पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल दिखा जब अचानक डीएसपी अफाक अख्तरी अंसारी पैदल गश्त करते हुए दुकानदारों द्वारा दुकान के बाहर फैलाये गये अतिक्रमण को हटवाया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि दुकान के बाहर किसी भी तरह का अतिक्रमण न फैलाया जाए। यह गश्त शहीद गेट मोड़ से शुरू हुई और गोला रोड मोड़ पर खत्म हुआ। इस दौरान जहां कई दुकानदार दुकानों के बाहर सामान लगाए हुए थे, जिसे डीएसपी ने अपने सामने हटवाया। बतादें कि इस मंडी में अधिकांश स्थायी दुकानदार सड़को पर सामान निकालकर कब्जा जमाये रहते है, जिस वजह से यह सड़क संकीर्ण बन जाती है। सबसे अधिक व्यस्तम वाले इस सड़क पर वाहनों की कौन कहे, पैदल गुजरने वालों की भी रफ्तार थम जाती है। मुख्य मंडी गोला रोड पर हर समय महाजाम का नजारा लगा रहता था। डीएसपी के इस कार्रवाई के बाद स्थिति बदली नजर आयी और कही भी जाम का नजारा नही दिखा। राहगीरों का कहना है कि दुकानदार अपने दुकानों के आगे शेड लगाते है। उसके बाद सड़क के पटरियों पर दुकाने सजती है। इसके आगे ठेले का जमावड़ा लगा रहता है।

टेम्पो में महिला से गहने चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, तीन शातिर चोर गिरफ्तार

बक्सर। शहर के सिंडिकेट मोड़ के पास एक महिला से टेंपो में गहनों की चोरी करने वाले गिरोह का नगर थाना की पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घटना 24 मई की है। सिमरी के बडका राजपुर गांव की रहने वाली रोमा देवी बलिया से एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रही थीं। उन्होंने टेंपो पकड़ा और जैसे ही शहर के सिंडिकेट के पास पहुंचीं, उनके गहने चोरी हो गए। घटना के बाद महिला ने नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और गहना चुराने वाले गिरोह को खोज निकाला। पुलिस ने मुखिया राजभर, नरेंद्र राय और गंगा सागर केवट को कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र से धर-दबोचा। पूछताछ में तीनों ने गहना चोरी की बात कबूल की। इनकी निशानदेही पर चोरी के गहनों में से कुछ डुमरांव से बरामद किए गए, जबकि गहना बेचकर जो पैसे मिले थे, उसमें से 9,000 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। पुलिस अब गहना खरीदने वाले व गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक गांव में घरेलु विवाद में पति ने पत्नि को मार डाला, मची सनसनी

रिटायर्ड फौजी ने धारदार हथियार से पत्नी का गला काट की हत्या, गिरफ्तार

♦ घटना के बाद से बच्चों का रो-रोकर हो गया है बुरा हाल, ग्रामीण हैरान

केटी न्यूज/डुमरांव

घरेलु विवाद में एक रिटायर्ड फौजी ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला काट हत्या कर दी है। घटना बुधवार की रात कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक गांव की है। घटना को अंजाम दे वह फरार हो गया था, जानकारी मिलने पर डुमरांव एसडीपीओ ने उसे आधे घंटे में नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

मृतका की पहचान 50 वर्षीय उर्मिला देवी के रूप में हुई है, जबकि आरोपी 58 वर्षीय कपिलमुनी सिंह है। दोनों की शादी 32 वर्ष पूर्व 1993 में हुई थी। दोनों को तीन पुत्र व दो पुत्रियां थी। वे अपने दोनों पुत्रियों की शादी कर चुके थे। जबकि पुत्रों कृसरोज सिंह (26 वर्ष), गुलगुल सिंह (24 वर्ष), और विशाल सिंह (22 वर्ष) की शादी होनी बाकी थी।

जानकारी के अनुसार बुधवार की रात किसी बात पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आ कपिलमुनी ने घर में रखे धारदार हसिये से अपनी पत्नी का गला रेत दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मां की मौत के बाद उसके तीनों पुत्र बदहवास हो गए थे तथा मां से लिपट पूरी रात रोते रहे। सुबह में जब पड़ोसियों को इस घटना की जानकारी मिली तो पड़ोसियों ने ही फोन कर कृष्णाब्रह्म थाने को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में ले थाना लाई तथा वरीय अधिकारियों को इस घटना की जाकनारी दी।

वर्ष 2016 में आर्मी से रिटायर्ड हुआ था आरोपी: ग्रामीणों ने बताया कि कपिल मुनि सिंह सेवानिवृत्त सैनिक है, वे 31 दिसंबर 2016 को भारतीय सेना से नायक के पद से रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद, उन्होंने बिजली विभाग में कुछ दिन गार्ड की नौकरी भी की थी, उसके बाद नौकरी छोड़ घर आ गए थे।

घटना के बाद मोहल्ले में छाई मायूसी: इस घटना के बाद अरक दक्षिण टोला में मायूशी छा गई। मृतक के पड़ोसियों को इस घटना पर सहसा विश्वास नहीं हो रहा था। वहीं, पड़ोसी इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे कि महज घरेलु विवाद में इतने जघन्य वारदात को कोई कैसे अंजाम दे सकता है। पूरे दिन मोहल्ले में मायूसी छाई रही। घटना के बाद मृतका के पुत्रों का हालत खराब हो गया है। जिस कारण पोस्टमार्टम के अलावे अन्य कार्य पड़ोसियों द्वारा करवाया गया। वहीं, घटना के बाद से पड़ोसियों द्वारा कई तरह की चचाएं की जा रही है।

आधे घंटे में आरोपित को पकड़ने में मिली सफलता

घटन की सूचना होते ही डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने वैज्ञानिक पद्धति व मृतक के बच्चों से पूछताछ के आधार पर उसके नगर थाना क्षेत्र में होने की जानकारी प्राप्त की तथा बिना देर किए उसे तत्काल गिरफ्तार करा लिया। हालांकि, पुलिस की पूछताछ में वह कुछ बोल नहीं पा रहा था। वहीं, घटना को लेकर उसके बेटे कुछ बताने की स्थिति में नहीं थे, जिससे घटना के वास्तविक कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी, लेकिन ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच घरेलु बातों को ले अक्सर विवाद होते रहता था। इसी विवाद में वह रात में अपनी पत्नी की हत्या कर दिया।

मामले की जांच की जा रही है

“ कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक गांव में एक रिटायर्ड फौजी ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी की गला काट हत्या कर दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

– अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ डुमरांव

संवाद कार्यक्रम से नारी सशक्तिकरण की ओर बढ़ रही मजबूत कदम

बक्सर। सभी बक्सर के 7 प्रखंड चौगाईं, ब्रह्मपुर, सिमरी, राजपुर, इटाढी, डुमरांव और नवानगर में पंचायत के ग्राम स्तर पर जीविका के 14 ग्राम संगठनों द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। 18 अप्रैल से प्रतिदिन दो से अधिक संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित व वंचित दोनों वर्ग की महिलाएं हिस्सा ले रही हैं। महिला संवाद प्रतिदिन दो सत्र सुबह 9 बजे और अपराह्न 4 बजे में योजनाओं की जानकारी साझा की जा रही है।

कार्यक्रम में बिहार सरकार की योजनाओं को 45 मिनट वीडियो और लीफलेट के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इसमें आरक्षण, साइकिल योजना, पोषाक योजना, जीविका और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संदेश पत्र भी वितरित किया गया। साथ ही महिलाओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संदेश पत्र भी वितरित किया गया। महिला संवाद का उद्देश्य महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, उन्हें जागरूक करना और उनके सुझावों को नीति निर्माण में शामिल करना है।

सभी कार्यकताओं से हर बूथ को जीतने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/बक्सर

गुरूवार को भाजपा बक्सर नगर पश्चिमी मंडल के द्वारा नगर कार्यसमिति की बैठक विजय श्री बैंकेट हाल, मुसाफिर गंज में आयोजीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अजय वर्मा एवं संचालन नगर महामंत्री अंजय चौबे ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने नगर कमिटी के द्वारा अभी तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के विक्रमगंज में होने वाली रैली में चलने का आह्वान किया।

इस मौके पर नगर अध्यक्ष अजय वर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से हर बूथ को जीतने का संकल्प लिया एवं बूथ सशक्तिकरण पर जोर दिया। उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापन नगर महामंत्री पवन चौरसिया ने किया। इस दौरान वरिष्ठ नेता राम विनोद चौधरी, पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा, जिला उपाध्यक्ष मीना कुशवाहा, पुनीत सिंह महामंत्री धनंजय त्रिगुण, प्रदीप दुबे, रानी चौबे, वर्षा पांडे, अमित पांडे, मनोज पांडे, धनंजय राय, भरत प्रधान, विजय मिश्रा, अमरेंद्र पांडे, श्रीमन तिवारी, सतीश दुबे, प्रमोद मिश्रा, प्रियरंजन चौबे, अजय श्रीवास्तव, अमृता गुप्ता, मनीष चौबे, राजेश पांडे, गोरखनाथ वर्मा, पंकज उपाध्याय, मुकुंद तिवारी, नीलमणि चौधरी, शंकर गुप्ता, दीपक तिवारी, प्रभाकर तिवारी, अंकित राय, नीलम सहाय, संजय शाह, बृजमोहन सेठ, भाष्कर प्रताप सिंह, प्रकाश पांडेय, रिंकू पांडेय व अन्य मौजूद रहे।

संतोष कुशवाहा के हत्यारों को नहीं पकड़ा गया तो धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर हो जायेंगे: रवि उज्ज्वल

♦ अमीरपुर में मृतक के परिवार से मिले रवि उज्जवल कुशवाहा

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरुवार 29 मई को जदयू के पूर्व डुमरॉव विधानसभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने नावानगर प्रखंड के अतमि पंचायत के अंतर्गत अमीरपुर गांव जाकर पीड़ित परिवार से मिल उन्हें ढाढस बंधाया। मालूम हो कि कुछ दिन पहले अपराधियों ने संतोष कुशवाहा की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

रवि उज्जवल परिवार के लोगों से मिलकर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अपराधीयों को किसी भी हाल मे बख्शा नहीं जायेगा। कानून अपना काम कर रहा है, परिवार के लोगों ने जो एफआईआर दर्ज करवाया है, उसी के अनुसार पुलिस अपना कार्य कर रही है। रवि ने कहा कि मैं पूर्व में भी इस घटना की जांच कर अपराधीयों को सजा दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक से मांग कर चुका हूं और आज फिर कर रहा हूं। ऐसी घटनाओं से समाज में सरकार की बहुत बदनामी हो रही है, जो की ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि संतोष कुशवाहा के हत्यारे को नहीं पकड़ा गया तो हमलोग धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर हो जायेंगे। मौके पर जदयू नावानगर प्रखंड सह बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष सत्यानंद कुशवाहा, जदयू प्रखंड कोषाअध्यक्ष बीरेन्द्र प्रसाद व अन्य उपस्थित थे।

खरीफ महाअभियान कर्मशाला में किसानों को मिला तकनीकी प्रशिक्षण, बोले कृषि वैज्ञानिक...

आधुनिक तकनीक अपना कर बढ़ा सकते हैं आय

♦ कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल चक्र, मिट्टी की जांच आदि की दी जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय प्रखंड परिसर स्थित ई-किसान भवन में गुरुवार को शारदीय खरीफ महाअभियान के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह कर्मशाला का आयोजन किया गया। पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू इस कर्मशाला में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से महिला व पुरूष किसान पहुंचे हुए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुधांशु वर्मा व संचालन प्रखंड तकनीकी प्रबंधक कल्याणी कुमारी और सहायक तकनीकी प्रबंधक विवेकानंद उपाध्याय द्वारा किया गया। कर्मशाला में पहुंच कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि से संबंधित अहम जानकारियां प्रदान की। इस दौरान कृषि महाविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक प्रो. डीके पांडेय ने किसानों को खरीफ फसलों की बेहतर उपज, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और जैविक खेती की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल चक्र, मिट्टी की जांच और उर्वरकों के संतुलित उपयोग को खेती का अहम पहलू बताया। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि तकनीकी रूप से खेती करने से उपज के साथ-साथ आमदनी भी बढ़ेगी। कर्मशाला में असिस्टेंट प्रोफेसर स्वीटी कुमारी ने किसानों को उन्नत बीजों के चयन, बीज उपचार, कीट नियंत्रण के जैविक उपायों और कृषि यंत्रीकरण के फायदों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। कर्मशाला में पहुंची महिला किसानों ने दलहन और सब्जी के खेती के संबंध में वैज्ञानिकों से विभिन्न पहलुओं पर जानकारी मांगा। इनका मुख्य उद्देश्य था खेती से कमाई में कैसे वृद्धि होगी इस संबंध में जानकारी हासिल की। वैज्ञानिकों ने भी महिलाओं को खेती के रूप में खरीफ या मौसमी उपज को बढ़ाने के उपाय को उनके साथ साझा किया। वैज्ञानिकों द्वारा दिये गए जानकारी से काफी संतुष्ट नजर आयी। इस कार्यक्रम में कृषि समन्वयक विजय कुमार सिंह, किसान सलाहकार जितेंद्र कुमार, प्रगतिशील किसान और अन्य ग्रामीण किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

बिहिया थाना क्षेत्र के खाखोबांध गांव में गुरुवार की सुबह हुई दर्दनाक घटना

करंट की चपेट में आने से चचेरे भाई-बहन की मौत, दो घायल

- खेत में बोरिंग लाइट कनेक्शन का तार टूट कर गिर पड़ा था
- मृतक दोनों इंटर के विद्यार्थी थे
- मृतक पप्पू की शादी इसी माह पांच तारीख को हुई थी

केटी न्यूज/बिहिया

बिहिया थाना क्षेत्र के खाखोबांध गांव में गुरुवार की सुबह बिजली के करंट की चपेट में आने से चचेरे भाई-बहन की मौत हो गयी। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान दोनों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उन्हें बचाने के क्रम में गांव के ही दो युवक घायल हो गए। इसमें एक का इलाज बिहिया पीएचसी में कराया जा रहा है। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतकों में बिहिया थाना क्षेत्र के खाखोबांध गांव निवासी नंदन यादव की 16 वर्षीय पुत्री कविता कुमारी एवं उसी गांव निवासी केदार सिंह का 20 वर्षीय पुत्र पप्पू कुमार शामिल हैं। दोनों रिश्ते में चचेरे भाई-बहन हैं।

दोनों इंटर के विद्यार्थी थे। जबकि घायलों में बिहिया थाना क्षेत्र के खाखोबांध गांव निवासी राज कुमार यादव का 25 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार एवं स्व.लाल बहादुर यादव का 20 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार शामिल हैं। इधर, मृतक के भाई गुड्डू कुमार ने बताया कि खेत में बोरिंग लाइट कनेक्शन का तार टूट कर गिर पड़ा था। गुरुवार की सुबह जब उसकी चचेरी बहन कविता कुमारी शौच करने गयी, तो वह उसी विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गयी और अधमरा अवस्था में खेत पड़ी हुई थी। जब उसका भाई पप्पू कुमार खेत की ओर गया, तो उसने उसे वहां पड़ा देखा तो वह उसे उठाने गया, तभी वह भी करंट की चपेट में आ गया। जब उसके भाई पप्पू कुमार को बचाने के लिए गांव के ही दीपक कुमार और संतोष कुमार गये, तो वह भी करंट की चपेट में आ गये और घायल हो गये।

इसके बाद परिजन द्वारा पप्पू कुमार एवं कविता कुमारी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों में संतोष कुमार का इलाज पीएचसी में कराया जा रहा है। टाउन थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। पत्नी के हाथों की मेहंदी छूटने से पहले उजड़ा सुहाग, इसी वर्ष पांच मई को हुई थी पप्पू की शादी बिहिया थाना क्षेत्र के खाखोबांध गांव निवासी चचेरे भाई-बहन की मौत के बाद उनके घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जाता है कि मृतक पप्पू कुमार अपने छह बहनों व दो भाइयों में पांचवें स्थान पर था। उसकी शादी इसी माह पांच मई को बक्सर जिले के सोनवर्षा थाना क्षेत्र के नेवारी गांव निवासी उमेश यादव की बेटी गुड़िया कुमारी से हुई थी। अभी उसकी पत्नी के हाथों की मेहंदी का रंग छूटा भी नहीं था कि उसके मांग का सिंदूर ही उजड़ गया। वहीं, उसकी मौत की खबर मिलते ही घर के खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। मृतक के परिवार में मां मराछो देवी, पत्नी गुड़िया देवी, छह बहन उषा देवी, मुनि देवी, झुनी देवी, चिंता देवी, फूलन देवी, नेहा कुमारी एवं एक भाई गुड्डू कुमार हैं। वहीं, मृतका कविता कुमारी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। उसके परिवार में उसकी मां मोती देवी है।

कांग्रेस की सोच महिलाओं का सम्मान : अशोक यादव

आरा। आरा विधानसभा के अलग-अलग पंचायतों में सामुदायिक बैठक की गयी। अध्यक्षता आरा के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अशोक यादव ने की। बैठक में विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी के द्वारा महिला सम्मान योजना पर विस्तृत चर्चा की गयी। अशोक यादव ने कहा कि पूरे देश में महिलाओं की दशा अत्यंत सोचनीय और चिंताजनक है। कांग्रेस पार्टी का विशेष ध्यान महिलाओं एवं गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान और मदद का है। पार्टी का प्रयास है कि उन्हें उचित न्याय मिल सके। साथ-साथ उनको रोजगार और आवास का भी प्रबंधन किया जा सके। इसके लिए पार्टी के द्वारा महिलाओं के लिए माई- बहिन सम्मान योजना लायी गयी है। अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनती है, तो इस योजना के तहत हर महिला को प्रतिमाह 2500 सम्मान के रूप में दिया जायेगा।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किसानों के लिए विकसित कृषि अभियान का हुआ शुभारंभ

- जिला के तीन गांव में विकसित कृषि संकल्प अभियान के द्वारा किसानों को जागरूक किए जाने का प्रावधान

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज रोहतास द्वारा 29 मई से 12 जून तक चलाए जाने वाले विकसित कृषि संपर्क अभियान का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। केंद्र के द्वारा वैज्ञानिकों के दो टीम बनाए गए हैं और प्रत्येक टीम को जिला के तीन गांव में विकसित कृषि संकल्प अभियान के द्वारा किसानों को जागरूक किए जाने का प्रावधान है इसी अभियान के तहत एक टीम में केंद्र के वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉ. शोभा रानी एवं उद्यान वैज्ञानिक डॉ. रतन कुमार ने ग्राम नोहर में एशिया और ढंगे में जागरूकता अभियान किया।

जिसमें बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर से आए हुए साहिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. आर्यन सिंह एवं नाबार्ड के पदाधिकारी डीडीएम नाबार्ड जिला कृषि पदाधिकारी राम कुमार उपहार परियोजना निदेशक महोदेशी सौरभ कुमार अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी गण एवं वनस्पति अनुसंधान केंद्र के डॉ. प्रकाश सिंह ने किसानों को विशेष जानकारी दी। इस दौरान किसानों को बताया गया कि वह तकनीकी रूप से खेती करें। कम मेहनत में अधिक उत्पादन करें। साथ ही वैसे फसलों का उत्पादन किया जाए।

जिससे किसानों की आर्थिक आय मजबूत हो सके। उन्हें किसी के आगे ऋण लेने की जरूरत नहीं पड़े। इस अभियान के तहत केंद्र की दूसरी टीम के द्वारा डॉ. आरके जनाज, डॉ. रमाकांत सिंह के द्वारा तीन अन्य गांव में कार्यक्रम चलाया गया। इस विकसित संकल्प अभियान के दौरान किसानों को उन्नत तकनीकी की जानकारी दी गई।

पीएनबी ने लखपति योजना अंतर्गत जीविका दीदियों के बीच बांटे 58 लाख रुपये के ऋण

- लखपति दीदी पीएम की महत्वाकांक्षी योजना है

केटी न्यूज/तिलौथू

पंजाब नेशनल बैंक शाखा में लखपति दीदी योजना के अंतर्गत जीविका दीदी को कुल 58 लाख ऋण वितरित हुए। मौके पर पंजाब नेशनल बैंक के औरंगाबाद मंडल प्रमुख प्रवीण कुमार, शाखा प्रबंधक अमरेंद्र कुमार मुन्ना, प्रबंधक प्रशांत कुमार पांडेय एवं कुमार साकेत साथ में जीविका प्रतिनिधि निशि कुमारी एवं बैंक सखी माया कुमारी उपस्थित रही। समारोह का शुरूआत में बैंक दीदी ने प्रवीण कुमार को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। शाखा प्रमुख अमरेंद्र जी ने सभा को संबोधित करते हुए दीदियों को लखपति दीदी योजना का विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

वहीं औरंगाबाद जिला के बाद से आए मंडल प्रमुख प्रवीण कुमार ने संबोधित करते हुए बताया कि लखपति दीदी माननीय प्रधानमंत्री महत्वाकांक्षी योजना है जिसे पंजाब नेशनल बैंक ने अपनी जिम्मेवारी निभाते हुए इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहा है । जो महिलाओं के जीवन स्तर को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हें महाजनों से पैसे लेने से बचाएंगे।

उन्होंने आगे बताया की हम अभी जून महीने में 100 और दीदियों को लखपति योजना का लाभ देने जा रहे। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें लघु लोन प्रदान किया जा रहा है।

सड़क से हटाया गया बालू, पुल की हुई सफाई

आरा। सकड्डी-नासरीगंज सड़क पर भोजपुर के कुल्हड़िया ओवरब्रिज पर भारी मात्रा में पसरे बालू और इससे आये दिन हो रहे हादसा हो रहा था। प्रशासन के निर्देश पर खनन विभाग ने गुरुवार को ट्रैक्टर के साथ दर्जनों मजदूरों को इस काम में लगा पूरे पुल पर पसरे बालू की सफाई कराई है। दर्जनों मजदूरों को ओवरब्रिज की सफाई कार्य में लगाया गया। इस काम में ट्रैक्टर लोडर के साथ मजदूरों ने रेल लाइन के ठीक ऊपर ब्रिज पर भारी मात्रा में गिरे बालू को मशीन की सहायता से हटवाया। कुल्हड़िया स्टेशन के समीप बने बाईपास ओवरब्रिज पर काम कर रहे मजदूर पूरे दिन भर पुल के एक छोर से दूसरे छोर तक की सफाई में लगे रहे। पुल पर हो रही सफाई के दौरान खुद खनन निरीक्षक चंदन कुमार पांडेय पुल पर खड़े होकर मजदूरों को निर्देश देते नजर आए।

खबरें फटाफट

तीन पत्नियों के साथ मारपीट करने वाले को पुलिस ने पकड़ा

आरा। गीधा थाना क्षेत्र के पुरदिलगंज निवासी और खुद को तांत्रिक बताने वाले एक व्यक्ति को गीधा पुलिस ने पकड़कर जेल भेज दिया। गीधा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के पुरदिलगंज गांव के रहनेवाले तथाकथित तांत्रिक निराला कुमार पिता ज्ञानचंद राय एवं उनके भाई विक्की कुमार को पहली, दूसरी एवं तीसरी पत्नी के रहते हुए तीनों शादियों को छिपाकर चौथी पत्नी से शादी करने, प्रत्येक पत्नी से छिपाकर अगली शादी करने, सभी पूर्व पत्नियों को मारपीट एवं प्रताड़ित करने, इस मामले की वादिनी से जबरन देह व्यापार कराने का प्रयास करने, गर्भपात कराने एवं जबरन जहरीला पदार्थ देकर इस कांड की वादिनी अपनी दूसरी पत्नी छाया (काल्पनिक नाम) की हत्या करने के प्रयास में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इसके पूर्व तीनों पत्नियों ने मारपीट एवं प्रताड़ना से तंग होकर अलग-अलग जगहों पर छिपकर रह रही हैं तथा तंगहाली में जीवन व्यतीत कर रही हैं। निराला कुमार के काले करमाने में उसका छोटा भाई विक्की कुमार भी सहयोग करता था तथा पूर्व पत्नियों पर बुरी नजर भी रखता था। गिरफ्तार निराला कुमार तथाकथित तांत्रिक के रूप में घरों में भूत प्रेत एवं बुरी नजर से बांधने का काम, भूत झाड़ने के नाम पर भोली भाली महिलाओं को ठगने एवं अन्य कार्यों में संलिप्त रहता था। इधर सदर एसडीपीओ 2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि तथाकथित तांत्रिक को गिरफ्तार किया गया।

प्रधानमंत्री की जनसभा रैली में पहुंचने के लिए भाजपा ने लोगों से किया जनसंपर्क

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिक्रमगंज में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसभा रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकला संपर्क अभियान। गुरुवार की दोपहर शहर के सासाराम रोड़ स्थित दुर्गा मंदिर से प्रधानमंत्री के जनसभा रैली कार्यक्रम को लेकर ढोल, नगाड़े, गाजे-बाजे के साथ सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा के अध्यक्षता में जनसंपर्क किया। जबकि काराकाट विधानसभा नेता डॉ. मनीष रंजन ने कार्यकर्ताओं साथ अभियान को भव्य रूप देते हुए लोगों से जनसंपर्क करते हुए शहर, मुहल्ले सहित दुकानों पर जाकर लोगों से मिलते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को बिक्रमगंज के दुर्गाडीह में आयोजित होने वाली जनसभा रैली कार्यक्रम में सुबह 8 बजे तक पहुंचने के लिए अपील की। साथ ही लोगों से अपील की वह उनके ऐतिहासिक जनसभा रैली में सिंदूर ऑपरेशन के बाद रोहतास जिला के बिक्रमगंज उनके भाषण को अवश्य सुनें। साथ ही शहर के तेंदुनी चौक के चारों रोड़ में भारत माता की जयघोष, सिंदूर ऑपरेशन जिंदाबाद, प्रधानमंत्री जिंदाबाद नारों के दुगार्डीह सभास्थल पर पहुंचे के लिए समस्त जनता के बीच पहुंच भाजपा कार्यकताओं ने आदर पूर्वक उन्हें संवाद आमंत्रण दिया। मौके पर भाजपा कार्यकर्ता - बलिराम मिश्रा, मदन प्रसाद वैश्य, नागेश्वर कुशवाहा, अमरेंद्र मिश्र, रामजी गुप्ता, चुन्नू सिंह, प्यारे लाल ओझा, हिमांशु चतुर्वेदी, रविकांत मिश्र, डब्लू पांडे, मनमोहन तिवारी, सुनील सिंह, नवीन चंद्र गुप्ता, संजय सिंह, ललन चौरसिया,मंगल कुमार, सुदर्शन गुप्ता, प्रियम कुमार, गुडु सिंह, परवेज खान, प्रो. सुनील सिंह, कुमार विवेक,अमर सिंह,राकेश रंजन,जितेंद्र कुमार, पंकज कुमार, पप्पू सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

आरा में पूर्व के रंजिश में बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या, फैली सनसनी

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के टिकापुर गांव वार्ड नंबर 6 में पूर्व के रंजिश को लेकर गुरुवार की सुबह मवेशी को बधार में छोड़ घर वापस लौट रहे बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक बुजुर्ग को पीछे से पीठ में गोली मारी गई है। जिसके कारण उन्होंने ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक बहोरानपुर थाना क्षेत्र के टिकापुर गांव वार्ड नंबर तीन निवासी स्व.भोला राय के 65 वर्षीय पुत्र शिवपूजन राय हैं एवं वह पेशे से किसान थे। उधर घटना की सूचना मिलते ही बहोरनपुर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे मामले की छानबीन शुरू कर दी। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृतक के नाती नीरज कुमार ठाकुर ने बताया कि तीन वर्ष पूर्व जब मृतक के छोटे बेटे अभिषेक राय गांव में पैदल जा रहे थे। तभी उसी गांव के निवासी सियाराम सिंह का पुत्र प्रिंस बाइक से आ रहा था। उसी कीचड़ उड़ कर अभिषेक राय के कपड़े पर पड़ गया था। जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी और उसी समय से विवाद चला आ रहा है। जब उसके नाना शिवपूजन राय मवेशी को बधार में चरने के लिए छोड़कर वापस घर लौट रहे थे। उसी दौरान हथियारबंद बदमाश ने गोली मारकर हत्या कर दी।

डेयरी व मत्स्य व्यवसाय को बढ़ावा दे स्वरोजगार के अवसर होंगे सृजित

आरा। भोजपुर दौरे पर पहुंची बिहार सरकार की पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की की अपर मुख्य सचिव डॉ एन विजया लक्ष्मी ने गुरुवार को भोजपुर जिले का दौरा किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट में अधिकारियों संग बैठक कर कई कार्यों का जायजा लिया और कहा कि कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य के व्यवसाय को बढ़ावा देकर स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित किए जाएंगे। इसे लेकर संबंधित अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश भी दिये। बैठक के दौरान डीएम तनय सुल्तानिया, डीडीसी गुंजन सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

सांसद उपेन्द्र कुशवाहा ने लोगों की मांगों पर जताई सहमति

शाहाबाद को जल्द बनाया जाए कमिश्नरी

- शाहाबाद प्रक्षेत्र 11131 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, आबादी 2011 के जनगणना के अनुसार 92 लाख से अधिक है

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

प्राचीन शाहाबाद जिला को कमिश्नरी बनाने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक अखिलेश कुमार ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष सांसद उपेन्द्र कुशवाहा को मांग पत्र सौंपा है जिसमें कहा गया है कि बिहार का वर्तमान रोहतास, भोजपुर, बक्सर तथा कैमूर जिला 1972 से पहले शाहाबाद जिला हुआ करता था। 1972 में रोहतास भोजपुर और 1991 में बक्सर कैमूर जिला का निर्माण हुआ। प्रशासनिक दृष्टि से तो विभाजन हो गया परन्तु इस पूरे प्रक्षेत्र का रहन सहन, खान-पान, बोल-चाल की भाषा, कला-संस्कृति आज भी एक हीं है। अखिलेश कुमार ने कहा है कि देश आजादी के समय वर्तमान बिहार में कुल 11 जिला हुआ करता था इसमें 9 जिला पटना, गया, मुजफ्फरपुर, कोसी, पुर्णिया, मुंगेर भागलपुर, दरभंगा तथा सारण को प्रमंडल (कमिश्नरी) बना दिया गया। परन्तु शाहाबाद जिला आज भी इस अधिकार से वंचित है। विदित हो कि चार जिलों में विभक्त शाहाबाद प्रक्षेत्र प्रमंडल बनने के सारे मापदंडों पर जैसे क्षेत्रफल, जनसंख्या, राजस्व उगाही, प्राकृतिक बनावट और साक्षरता दर की दृष्टि से खरा उतरता है। इस संबंध में आंकड़े बताते हुए कहा गया है कि शाहाबाद प्रक्षेत्र 11131 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जिसकी आबादी 2011 के जनगणना के अनुसार 92 लाख से अधिक है। साथ हीं साक्षरता दर तथा राजस्व उगाही में भी यह प्रक्षेत्र पूरे बिहार में अव्वल है। पूरे प्रक्षेत्र के लोग एक ही भाषा भोजपुरी का प्रयोग करते हैं। यदि तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो भागलपुर तथा कोसी दोनों प्रमंडलों- कमिश्नरी के बराबर शाहाबाद प्रक्षेत्र अकेले है। वर्तमान में भागलपुर प्रमंडल का क्षेत्रफल 5589 वर्ग किलोमीटर और जनसंख्या 51 लाख है तो कोसी प्रमंडल का क्षेत्रफल 5899 वर्ग किलोमीटर तथा जनसंख्या 51 लाख है। अखिलेश कुमार ने बताया कि चूकी राजग गठबंधन के घटक दल में शामिल उपेन्द्र कुशवाहा को पीएम के समक्ष सभा में बात रखने का मौका मिलेगा और उन्होंने इस मांग को न्यायोचित तथा शाहाबाद के लिए जरूरी बताते हुए इसे प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का भरोसा दिये हैं।

विकसित कृषि संकल्प नहीं, बल्कि किसानों की आत्मनिर्भरता है : सिन्हा

केटी न्यूज/पटना

उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री, बिहार विजय कुमार सिन्हा द्वारा आज कृषि भवन, पटना में विकसित कृषि संकल्प अभियान का राज्य स्तर पर शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव, कृषि विभाग, बिहार संजय कुमार अग्रवाल ने की। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हमारे कृषि इतिहास में एक नई शुरुआत का प्रतीक है। विकसित कृषि संकल्प अभियान केवल एक योजना नहीं, बल्कि किसानों की आत्मनिर्भरता और गौरव का प्रतीक है। अब किसान केवल ग्रामीण नहीं, बल्कि राष्ट्र निमार्ता हैं। गांवों की समृद्धि ही देश के विकास का आधार बनेगी। यह पहल किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के निर्माण की यात्रा को गति देगी। यह स्वावलंबी किसान और समृद्ध भारत का संकल्प है। गांव के अंतिम पंक्ति तक के किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य गाँव के अंतिम पंक्ति तक के किसानों से सीधा संवाद स्थापित करना है। शारदीय (खरीफ) फसलों की पैदावार बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राज्य में कृषि विभाग द्वारा 29 मई से 12 जून 2025 तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाएंगे। इस अभियान के तहत किसानों को नई कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं एवं अनुदानों की जानकारी दी जाएगी साथ ही उनके सुझाव और नवाचारों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। सिन्हा ने कहा कि इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सरकार ने छह सूत्री रणनीति तैयार की है। उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत कम करना, उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना, प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई करना, मूल्य संवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण के साथ फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और प्राकृतिक और जैविक खेती को प्रोत्साहित करना। यह अभियान किसानों को नई तकनीकों और जानकारी से जोड़कर उनकी पैदावार बढ़ाने और मेहनत का बेहतर फल दिलाने का प्रयास करेगा।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना (अटारी, पटना) के अंतर्गत आने वाले बिहार के 44 कृषि विज्ञान केन्द्रों में 104 टीम बनाई गई है।

पुलिस टीम पर हमला; दारोगा समेत 6 जवान घायल

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद के परस बीघा थाना के तुरकौल गांव में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो दारोगा और कुल 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें एक महिला दारोगा की हालत गंभीर है। सभी घायल पुलिसकर्मियों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की जानकारी के मुताबिक, महिला जेई पल्लवी कुमारी ने 24 मई को नहर परियोजना की जांच के दौरान उसी गांव के एक युवक गौरी शंकर सिंह द्वारा छेड़छाड़ और मोबाइल छीनने की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी पर गई थी।जब पुलिस टीम गांव में छापेमारी कर रही थी, तो आरोपी के परिवार वालों और झारखंड के एक पुलिस जवान नरेंद्र सिंह ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हुई और पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ के बीच आरोपी भागने में भी सफल रहा। घायल पुलिसकर्मियों में सब इंस्पेक्टर ब्यूटी कुमारी, बबलू सिंह, सिपाही नरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार सिंह, रविशंकर कुमार और राहुल कुमार शामिल हैं। पुलिस ने झारखंड के पुलिस जवान नरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह ने कहा है कि हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में पुलिस की छावनी बनी हुई है।

गयाजी जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुलाबबाग मोहल्ले में हुई घटना

गयाजी में कबाड़ की दुकान में आग, 50 लाख की संपत्ति राख

- घटना के बाद समय पर नहीं पहुंच पाए दमकल के वाहन
- रात करीब 12 बजे के आसपास हुई बड़ी घटना

केटी न्यूज/गयाजी

गयाजी जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुलाबबाग मोहल्ले में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की शुरूआत एक कबाड़ की दुकान से हुई, लेकिन उसकी लपटों ने बगल में स्थित दुबे पैथोलैब के मालिक ललन दुबे के चार मंजिला मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। आगजनी की इस घटना में 50 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जलकर खाक हो गई। मकान मालिक ललन दुबे ने बताया कि रात लगभग 12 बजे कबाड़ की दुकान में आग लगी। इसका पता उन्हें तब चला जब रात एक बजे उनके घर में लगे एसी में जोरदार धमाका हुआ। तेज आवाज सुनकर उनकी नींद खुली तो देखा कि आग तेजी से उनके घर की ओर बढ़ चुकी थी। उन्होंने तुरंत परिवार के सभी सदस्यों को बाहर निकाला। समय रहते गैस सिलेंडर भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन तब तक आग पूरे मकान में फैल चुकी थी। देखते ही देखते घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। ललन दुबे के अनुसार, आग से चार एसी, सोने-चांदी के गहने, कीमती कपड़े, फर्नीचर और दरवाजे समेत पूरा घर तबाह हो गया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना देने के करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद आग फिर से भड़क उठी, जिससे दुबारा उनके मकान में आग लग गई। इसके बाद दोबारा दमकल विभाग की टीम को बुलाना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर दमकल की गाड़ियां नहीं पहुंची।

ज्वेलरी, कपड़े, फर्नीचर, अनाज सब कुछ जलकर राख

ललन दुबे ने बताया कि घर में खाने पीने के सामान के साथ-साथ चार एसी, सोना-चांदी के गहने, महंगे कपड़े, फर्नीचर, पानी की टंकी, खिड़कियां, बेड, पंखे, वायरिंग, कूलर, दरवाजे सब कुछ जलकर राख हो गया। आग इतनी भयावह थी कि कुछ भी नहीं बचा। उन्होंने बताया कि आग की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन करीब एक घंटे के बाद फायर ब्रिगेड की टीम रात दो बजे मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड के अधिकारी संजय सिंह के मुताबिक, चार दमकल की गाड़ियों और 24 फायर कर्मियों की मदद से आग पर तीन बजे तक काबू पाया गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम लौट गई। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड की टीम के लौटने के कुछ देर बाद दोबारा आग भड़क गई।

मुजफ्फरपुर में गर्मी बढ़ते ही चमकी बुखार के बढ़े मामले

मुजफ्फरपुर। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के साथ एक बार फिर से चमकी बुखार के मामले सामने आने लगे हैं। बीते तीन दिनों में अएर के तीन नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिससे जिले में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इनमें से 22 केस मुजफ्फरपुर जिले के हैं, जबकि तीन अन्य मामले गोपालगंज, सीतामढ़ी और शिवहर से जुड़े हैं। राहत की बात यह है कि अब तक भर्ती सभी बच्चे इलाज के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे है।

बाढ़ नियंत्रण में ईमानदारी बरतने पर सहयोग, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: मंत्री विजय चौधरी

केटी न्यूज/पटना

जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित बाढ़ संघर्षात्मक कार्य एवं पूर्ववर्ती अनुभवों से सीख विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन गोपालगंज, मुजफ्फरपुर एवं पटना प्रक्षेत्र के अभियंताओं को प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने गोपालगंज के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता (बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण) एवं उनकी टीम को क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री चौधरी ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष उद्देश्य के साथ आयोजित किया गया है। यह प्रशिक्षण अनुभवी अधिकारियों से सीखने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि जल एक अमूल्य प्राकृतिक संसाधन है और बिहार इसकी प्रचुरता के बावजूद भौगोलिक कारणों से अक्सर बाढ़ की विभीषिका झेलता है। नेपाल व सीमावर्ती राज्यों की नदियाँ जब उफान पर होती हैं, तो बिहार सबसे अधिक प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से निपटना चुनौतीपूर्ण अवश्य है, लेकिन योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें तो यह कार्य सुगम हो सकता है। अभियंताओं से अपील की गई कि वे एसओपी का गंभीरता से अध्ययन करें और अपने-अपने क्षेत्रों में तटबंधों का विस्तृत निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनता और स्थानीय प्रबुद्ध व्यक्तियों से समन्वय स्थापित करना आवश्यक है, जिससे आपदा के समय सामुदायिक सहयोग से बेहतर परिणाम प्राप्त हो।

अभियान का लक्ष्य लैब टू लैंड के विजन को धरातल पर उतारना अभियान का लक्ष्य लैब टू लैंड के विजन को धरातल पर उतारना है. महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अभियान को दो-तरफा बातचीत के तौर पर डिजाइन किया गया है। किसान अपनी चुनौतियों को साझा करेंगे, सवाल पूछेंगे और कीटों के संक्रमण जैसी क्षेत्रीय समस्याओं की रिपोर्ट करेंगे, जो भविष्य के शोध की दिशा में कारगर सावित होगा, जिससे विज्ञान और खेती एक साथ आगे बढ़ेंगे। वैज्ञानिकों द्वारा एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं, तकनीकी नवाचारों और आधुनिक पद्धतियों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में पटना जिले के लगभग अधिकारी शामिल हुए।

भाईचारा बनाओ- अधिकार बचाओ अभियान : चंद्रशेखर

मुजफ्फरपुर। भीम आर्मी के संरक्षक और आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद को मुजफ्फरपुर जिले के चांदनी चौक स्थित स्टेट एक कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन का आयोजन भाईचारा बनाओ, अधिकार बचाओ अभियान के तहत किया गया था। इस दौरान भारी संख्या में भीम आर्मी के कार्यकर्ता और मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हम इस देश में संविधान को मानने वाले लोग हैं। जो लोग अपने हक और अधिकार की लड़ाई नहीं लड़ते, उनका हर संघर्ष व्यर्थ चला जाता है। हम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं और उसी रास्ते पर चलकर संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने वक्फ बोर्ड कानून को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बताया और कहा कि भीम आर्मी इस मुद्दे पर मुस्लिम समाज के साथ खड़ी है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने मौजूदा वर्ष में 5 करोड़ पौधे लगाने का रखा लक्ष्य

बिहार के गांव-शहर होंगे हरे-भरे, 5 जून से शुरू होगा मेगा वृक्षारोपण अभियान : हरजोत

केटी न्यूज/पटना

बिहार में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने और पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से सरकार ने मौजूदा वर्ष में 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है लिहाजा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 5 जून से शुरू होने वाले वृक्षारोपण अभियान 2025 की तैयारी को लेकर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा ने सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है। इस अभियान के लिए बड़ी संख्या में विभिन्न प्रजातियों के पौधों को विभागीय पौधशाला, जीविका दीदी पौधशाला और किसान पौधशाला में तैयार किया गया है। ऐसी अधिकृत पौधशालाओं की संख्या 268 है। इस विशेष अभियान में काला शीशम, कनक चंपा, कटहल, खैर, क्रंज, कुसुम, महोगनी, महुआ, मालेश्वरी, मौलाश्री, नीम, पाकड़, पीपल, पुत्रजीव, सागवान, साल, सहजन, सेमल, शहतूत, शरीफा, शीशम समेत 66 किस्म के पौधे लगाए जाएंगे। इस वृक्षारोपण अभियान में विभाग के साथ-साथ जीविका दीदी, किसान, गैर सरकारी संगठन, अर्धसैनिक बल और स्कूल के छात्र-छात्राओं की भी सहभागिता होगी। विभाग की तरफ से भागलपुर क्षेत्र में 1 करोड़, 30 लाख, 63 हजार, 600 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें बांका जिले में 20 लाख 57 हजार 900, अररिया में 13 लाख 87 हजार 400, जमुई में 16 लाख 37 हजार 800, पूर्णिया में 12 लाख 81 हजार 300, सुपौल में 12 लाख 79 हजार 600 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, गोपालगंज में 12 लाख 27 हजार, सीवान में 14 लाख 1970 पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही दरभंगा में 15 लाख 77 हजार, मधुबनी में 19 लाख 38 हजार, पूर्वी चंपारण में 20 लाख 17 हजार, तिरहुत में 19 लाख 84 हजार, समस्तीपुर में 16 लाख 86 हजार, सारण में 16 लाख 20 हजार, वैशाली में 15 लाख 15 हजार, औरंगाबाद में 15 लाख 50 हजार, गया में 22 लाख 11 हजार, नालंदा में 11 लाख 31 हजार, नवादा में 12 लाख 93 हजार, लक्ष्य रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

एक बार फिर प्रभारी सचिव बनाए जाएंगे कुछ आइएएस अधिकारी, इन नामों पर हो रही चर्चा

रांची, एजेंसी। झारखंड के प्रशासनिक क्षेत्र में अधिकारियों की कमी दिखने लगी है और एक बार फिर कुछ अधिकारियों को समय से पहले सचिव का दायित्व दिया जा सकता है। खासकर 2010 और 11 बैच के कुछ आइएएस अधिकारियों को प्रभारी सचिव बनाए जाने की चर्चा है। इससे काम के बोझ से दबे अधिकारियों को राहत मिल सकती है ।फिलहाल कई आइएएस अधिकारियों के पास एक से अधिक विभागों का प्रभार है। सूत्रों के अनुसार ऐसा एक से अधिक विभागों में एक ही व्यक्ति के पास सचिव का दायित्व होने के आधार पर किया जा रहा है। शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह के पास खाद्य आपूर्ति विभाग का भी दायित्व है। इसी प्रकार कुछ और अधिकारयों के पास एक से अधिक विभागों का प्रभार है ।ऐसे में कुछ अधिकारियों को प्रभारी सचिव बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। कुछ अधिकारी तीन–तीन चार–चार विभाग के सचिव का दायित्व संभाल रहे हैं। इससे काम प्रभावित होता है। ढंग से काम हो नहीं पाता है और अधिकारी विभागों में भी कम समय दे पाते हैं। ऐसे में कुछ अधिकारियों को प्रभारी सचिव बनाए जाने की तैयारी है ।2011 बैच के आइएएस राहुल सिन्हा, मंजूनाथ भजंत्री, शशि प्रकाश झा, राजेश्वरी बी। आदि को प्रभारी सचिव बनाया जा सकता है।

पलामू में सड़क पर युवक का अधजला शव मिलने से सनसनी, सीसीटीवी में कैद हुआ खौफनाक मंजर

पलामू, एजेंसी। पलामू से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां जिला मुख्यालय के शहर थाना क्षेत्र के रेडमा रांची रोड से सुरेश सिंह चौक की ओर जाने वाले रास्ते पर बुधवार देर रात एक युवक का अधजला शव मिला है। सड़क पर अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मृतक की पहचान 23 वर्षीय राज कुमार चंद्रवंशी के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम संजय चंद्रवंशी है, जो रेड़मा स्थित देवी मंडप मुहल्ले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक सीसीटीवी कैमरा मिला, जिसमें पूरी वारदात कैद है। बता दें कि सीसीटीवी कैमरे में युवक आत्महत्या की कोशिश करते दिख रहा है। फुटेज में साफ देखा जा रहा है कि युवक ने पहले खुद पर तेल छिड़का, फिर थोड़ी देर बाद आग लगा ली। यह वारदात बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे की बतायी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार व टीओपी टू के प्रभारी राकेश कुमार सिंह दल–बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। इस बात की जानकारी मृतक के परिवार को दे दी गयी है। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर गहरायी से छानबीन कर रही है। मृतक के परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

हाईकोर्ट से नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय को मिली राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने नीलांबर–पीतांबर विश्व विद्यालय को एसजेएसएन कॉलेज गढ़वा के व्याख्याता बृज कुमार मिश्रा की सेवा दिसंबर 1987 से नियमित करने के एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद और जस्टिस पीके श्रीवास्तव की खंडपीठ ने नीलांबर–पीतांबर विवि की अपील याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया। विश्वविद्यालय की ओर से एकल पीठ के आदेश को डबल बेंच में चुनौती दी गई थी, जिसमें उसे राहत मिली। मालूम हो कि बृज कुमार मिश्रा ने 22 फरवरी 1986 में एसजेएसएन कालेज, गढ़वा में हिंदी विभाग में व्याख्याता के पद पर नियुक्त हुए थे। उस समय उनके पास उक्त पद की बहाली के लिए जो निर्धारित अंक था, वह उनके पास नहीं था। निर्धारित अंक प्राप्त करने के बाद उनकी ओर से पांच दिसंबर 1987 की तिथि से नियमितीकरण की मांग की गई थी। लेकिन उनकी सेवा का नियमितीकरण 1 जून 2003 से किया गया था। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

धनबाद में अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा मुंगेर के 4 कारीगर समेत 5 गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। झारखंड व पश्चिम बंगाल एटीएस ने महुदा थाना क्षेत्र की सिंगड़ा बस्ती में बुधवार को अवैध मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। फैक्ट्री के संचालक मुशीर अंसारी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। एटीएस ने मौके से हथियार बनाने में जुटे चार कारीगरों को भी गिरफ्तार किया गया है। बुधवार की शाम करीब 4 बजे से शुरू हुई छापेमारी देर रात चक चली। इस छापेमारी में भारी मात्रा में हथियार बनाने के सामान बरामद हुए हैं। कई अर्धनिर्मित हथियार और पार्ट्स भी मिले हैं।

बताया जाता है कि अवैध हथियार के धंधे में लगे कुछ लोगों को पश्चिम बंगाल एटीएस ने पिछले दिनों गिरफ्तार किया था, जिसमें मुशीर का एक साथी भी शामिल था। उससे पूछताछ में महुदा में फैक्ट्री चलने की सटीक जानकारी मिलने पर बंगाल एटीएस ने झारखंड एटीएस से संपर्क साधा। इसके बाद दोनों टीमों में स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की। आरोपी ने अपने घर के पीछे एक बड़ा हॉल बना रखा था। इसी हॉल में अवैध हथियार बनाने का काम किया जाता था। पार्ट्स और हथियारों को रात के अंधेरे में वाहन से लाया और ले जाया जाता था।

महुदा थाना क्षेत्र की सिंगड़ा बस्ती में जब एटीएस ने छापेमारी की तब कारीगर पिस्तौल बनाने में मशगूल थे। अभी वे लोग कुछ समझ पाते कि तब तक सबो को पुलिस ने दबोच लिया। किसी को हिलने तक का मौका नहीं मिला। सभी कारीगर काम मे पूरी तरह से मगन थे। पुलिस के समक्ष ही चारों ने एक घंटे में चार पिस्तौल बनाकर तैयार किया। यह देख पुलिस दंग रह गई। इस इलाके में यह धंधा पिछले कई महीनों से चल रहा था। जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को नहींथी यह ताज्जुब वाली बात है।

कार्रवाई से पहले पुलिस ने ग्रामीणों को घर के अंदर भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि भारी संख्या में पुलिस गांव में पहुंची। गाड़ी से उतरते ही पुलिस ने बाहर खड़े ग्रामीणों को अपने अपने घर जाने के लिए कहा। अनहोनी के मद्देनजर ग्रामीण अपने अपने घरों में चले गए। पुलिस ने मुशीर के घर के आसपास के लोगों के घरों की कुंडियां बाहर से लगा दी। इससे ग्रामीण और खौफजदा हो गए। कुछ देर बाद जब मुशीर और उसकी पत्नी को पुलिस ने पकड़ लिया उसके बाद घरों की कुंडियां खोल दिया। इस दौरान पूरा गांव में सन्नाटा पसर गया। उत्सुक गांव की महिला और पुरुष अपने अपने घरों के छतों पर चढ़ गए और कार्रवाई देखने लगे।

इस संबंध में मुशीर की पत्नी हिना परवीन ने बताया कि वह मुशीर की दूसरी पत्नी है। वह दो महीने पहले ही यहां आई है। उसने इस कार्य का विरोध किया था, लेकिन उसका पति हर बार मारपीट कर उसे शांत रहने के लिए कहता था। एक बारगुप्त सूचना पर महुदा पुलिस गई थी, लेकिन उससे पहले ही उसने सारा सामान हटा लिया था। कुछ बरामदगी नहीं होने पर पुलिस बैरंग लौट गई थी।

उसने पुलिस को बताया कि बंगाल के कुल्टी के चालक अर्श मोहम्मद से उसकी दोस्ती हो गई। उसने मुशीर को इस धंधे में लाया। पहले भी कई बार सामान बनाकर बाहर भेजा गया है। मुशीर अंसारी गांव का बिगड़ैल युवक था।

विदेशी धर्म की परिभाषा को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी से किया सवाल, पेसा कानून को लेकर भी साधा निशाना

रांची, एजेंसी। कांग्रेस ने भाजपा पर तंज कसते हुए पूछा है कि भाजपा आखिर किस धर्म को विदेशी कहती है। भाजपा को बताना चाहिए कि विदेशी धर्म किया है? भारत के धर्म कोड में छह धर्म अंकित हैं, जिसमें हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन है। इसी में कांग्रेस सातवां कॉलम शामिल करने की मांग कर रही है।

कांग्रेस ने कहा कि अब रघुवर दास और भाजपा को यह बताना चाहिए कि किसे विदेशी धर्म कहते हैं। यह भाजपा की संकुचित और मनु स्मृति की सोच को दर्शाती है। जब पांच साल सत्ता में थे तो आपने पेसा कानून लागू क्यों नहीं किया।

भाजपा के नेता आदिवासियों के बीच पार्टी की घटती लोकप्रियता से घबराए हुए हैं। इसलिए भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीतिक कर रही है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी सतीश पाल मुंजनी ने कहा कि भाजपा की संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है कि आदिवासी पारंपरिक व्यवस्था के लिए रूढ़िवादी शब्द उनपर थोपना चाहते हैं। पारंपरिक शब्द उन प्रथाओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक मान्यताओं को संदर्भित करता है, जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं। पारंपरिक चीजें समाज की एक सांस्कृतिक धरोहर होती हैं। इन्हें आमतौर पर लंबे समय से मान्यता प्राप्त होती है।

उन्होंने पूछा कि सबसे पहले भाजपा बताए कि इस राज्य में 14 साल से ज्यादा शासन करने पर भी पेसा नियमावली क्यों लागू नहीं किया। नियमावली तो दूर की बात है भाजपा ने पेसा पर कुछ किया भी नहीं किया, लेकिन आदिवासी अस्मिता को कमजोर करने का काम भी लगातार किया।

शादी के घर में पसरा मातम, बाराती गाड़ी पलटने से 4 बच्चों की मौत

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के तरहसी-पदमा मुख्य पथ पर बसदेवा तिरवा गांव में रात लगभग 10 बजे पिकअप बाराती वाहन व पिकअप डीजे वाहन में सीधी टक्कर हो गयी। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गयी। सभी मृतक नाबालिग हैं, जबकि 11 लोग घायल हैं। सभी घायलों को तरहसी स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर किया गया। घटना के समय पिकअप वाहन में 15 लोग सवार थे।

जानकारी के अनुसार, मनातू से पसिया चुनका गांव के शिवनाथ सिंह चेरो के बेटे की बारात लेस्लीगंज बोहिता गांव जा रही थी। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रहा डीजे लदा पिकअप सवारी वाहन ने बारातियों से भरी गाड़ी को टक्कर मार दी। इस टक्कर में बाराती पिकअप गाड़ी पलट गया। मौके पर ही दो बच्चों ने दम तोड़ दिया। जबकि दो बच्चों की मौत इलाज के दौरान मेदिनीनगर एमएमसीएच में हो गयी। फिलहाल, एमएमसीएच में ही सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

बताया जा रहा है कि घटना डीजे लदा वाहन से आ रही तेज लाइट आंख पर पड़ने के कारण घटी। वहीं, दुर्घटना के बाद डीजे लदा वाहन तरहसी से पदमा की ओर फरार हो गया। मृतकों में चेरो नवा गांव मनातू का रहने वाला 15 वर्षीय बच्चू कुमार और 14 वर्षीय चंदन कुमार यादव पसिया के अलावा दो नाबालिग शामिल हैं।

वहीं, घायलों में 12 वर्षीय शक्ति भुईयां, 15 वर्षीय पवन कुमार, 14 वर्षीय बिट्टू सिंह, 36 वर्षीय संजय कुमार, 32 वर्षीय मनोज कुमार, 24 वर्षीय बिक्रम कुमार, 19 वर्षीय कंचन कुमार, 26 वर्षीय सुधीर कुमार, 17 वर्षीय राजेश सिंह, 16 वर्षीय मनदीप और 15 वर्षीय सकेंद्र कुमार के नाम शामिल हैं। घटना के वक्त सभी पिकअप वाहन के ऊपर बैठे थे। वहीं, टक्कर के बाद वाहन पलटने से उस पर बैठे लोग वाहन के नीचे आ गये। हादसे में दूल्हे के चचेरे भाई सहित 4 नाबालिगों की मौत हो गयी। इनमें से दो बच्चों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था। घटना की जानकारी मिलते ही शादी की खुशियां मातम में बदल गयी।

धनबाद पुलिस और बंगाल एटीएस की छापेमारी में मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। झारखंड में बुधवार देर रात छापेमारी में एक मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, धनबाद पुलिस और पश्चिम बंगाल एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड (एटीएस) ने बीती रात धनबाद के महुदा थाना क्षेत्र की सिंगड़ा बस्ती में छापेमारी कर एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। यहां एक झोपड़ी में महीनों से हथियार बनाने का काम चल रहा था। दोनों राज्यों की संयुक्त पुलिस ने यहां से दर्जनों निर्मित व अर्धनिर्मित पिस्तौल, गोली सहित अन्य सामान बरामद किये हैं। इस दौरान मिनी गन फैक्ट्री के संचालक मुर्शीद अंसारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इस संबंध में बताया गया कि यह कार्रवाई आधी रात तक चली है। इसे लेकर सबसे पहले बंगाल पुलिस को सूचना मिली थी कि महुदा के सिंगड़ा बस्ती में मिनी गन फैक्ट्री का संचालन हो रहा है। इस फैक्ट्री में मुंगेर के कारीगरों की मदद से हथियार बनाकर सप्लाई किया जा रहा है। बताया जाता है कि पश्चिम बंगाल पुलिस की गिरफ्त में आये कुछ अपराधियों से इस फैक्ट्री का सूचना मिली थी कि महुदा क्षेत्र में हथियारों का बड़े पैमाने पर निर्माण हो रहा है।

वहीं, सूचना के आधार पर बंगाल एटीएस और धनबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। पुलिस ने स्थानीय निवासी मुर्शिद अंसारी के घर को चारों तरफ से घेर लिया। इसके बाद जब घर खुलवाकर जांच शुरू की गयी, तो पुलिसवाले भौंचक रह गये। झोपड़ी में पिस्तौल बनाने का काम चल रहा था। मौके पर पांच लोग मौजूद थे, जिन्हें पुलिस ने दबोच लिया। इस दौरान पुलिस ने अवैध हथियार बनानेवालों से उनके सामने पिस्टल बनाने को कहा। पकड़े गये लोगों ने एक घंटे के अंदर ही चार पिस्तौल बना डाली।

बताया गया कि यह गन फैक्ट्री मुर्शीद अंसारी के घर होते हुए एक लंबी गली पार करने के बाद दूर की एक झोपड़ी में चल रही थी। पुलिस छापेमारी में डेढ़ दर्जन निर्मित, 70-80 अर्धनिर्मित पिस्तौल बरामद किये गये। इसके अलावा भारी मात्रा में हथियार बनाने की सामग्री और गोलियां भी जब्त हुई हैं। पुलिस बोरों में भरकर सामान थाना ले आयी। छापेमारी में महुदा, कतरास, सहित कई अन्य थानों की पुलिस भी शामिल थी। अभियान का नेतृत्व बाघमारा एसडीपीओ पुरुषोत्तम सिंह कर रहे थे। फिलहाल, गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है।

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर की लोड टेस्टिंग सफल, 10 तक होगा उद्घाटन, सिरमटोली-मेकॉन कॉरिडोर की लोड टेस्टिंग शुरू

रांची, एजेंसी। राजधानी बनने के ढाई दशक बाद रांची की बड़ी आबादी को अगले माह जाम से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि, शहर के दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सिरमटोली- मेकॉन फ्लाईओवर और रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर आम लोगों के लिए खुल जाएंगे। राहत की दो राहें खुलने से रातू रोड और सिरमटोली, मेन रोड, ओवरब्रिज से राजेन्द्र चौक, मेकॉन रोड जाम मुक्त हो जाएंगे।

दोनों एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो गया है। फिनिशिंग का काम भी अंतिम चरण में है। रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर की लोड टेस्टिंग की गई है, जो सफल रही है। एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर और नीचे लगाई गई लाइटों की टेस्टिंग भी सफल रही है। आईटीआई रोड में सर्विस रोड और रातू रोड में मीडियन के बीच में पौधा लगाने का काम तेजी से चल रहा है। नागाबाबा खटाल के पास हनुमान मंदिर को शिफ्ट करने के लिए बगल में ही मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। जल्द ही मंदिर भी शिफ्ट हो जाएगा। ऐसे में 10 जून तक इसका उद्घाटन हो सकता है।

वहीं, सिरमटोली -मेकॉन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण भी पूरा हो गया है। फिलहाल रेलवे ट्रैक के ऊपर बनाए गए केबुल स्टे ब्रिज की लोड टेस्टिंग हो रही है। 31 मई तक लोड टेस्टिंग के बाद निर्माण कंपनी इसे हैंडओवर की प्रक्रिया शुरू करेगी। एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे रंग-रोगन हो चुका है और पौधे भी लगा दिए गए हैं। पौधों को बचाने के लिए जाली लगाई जा रही है। इसका भी उद्घाटन 15 जून तक होने की संभावना है।

शहर से डोरंडा, बिरसा चौक, हिनू, धुर्वा, प्रोजेक्ट भवन, विधानसभा आदि आने-जाने वाले लोग सीधे कांटाटोली फ्लाईओवर पर चढ़कर डोरंडा में उतर सकेंगे। वहीं मेकॉन चौक स्थित रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का काम 2022 में शुरू हुआ था। इसका काम मार्च 2024 में पूरा हो जाना था, लेकिन प्रोजेक्ट पूरा होने में विलंब हो गया। इसकी लंबाई 3.76 किलोमीटर है। इस कॉरिडोर के बनने से हरमू रोड, पहाड़ी टोला, इंद्रपुरी, शिवपुरी, पिस्कामोड़, सर्ड, तेल मिल और आईटीआई बस स्टैंड, पंडरा, रातू से आने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

रांची के बहुप्रतीक्षित सिरम टोली- मेकॉन फ्लाईओवर का स्टे ब्रिज की क्षमता टेस्टिंग शुरू हो चुका है। मंगलवार को टेस्टिंग के लिए जरूरी साजो-सामान फ्लाईओवर में चढ़ा गया। बुधवार की देर रात से टेस्टिंग शुरू हुई। इस टेस्टिंग में पथ निर्माण विभाग, निर्माण करने वाली एजेंसी एलएंडटी और रेलवे के अफसर शामिल हुए। यह टेस्टिंग 100 केजी से 300 टन तक के वजन किया जाएगा।

पहले 100 केजी से इसे शुरू किया गया, अगले दिन इसे 200 और 300 टन तक बढ़ाया जाएगा। यह टेस्टिंग सफल रही तो फ्लाईओवर को पूर्ण माना जाएगा। इसके बाद जून में किसी भी दिन इसका उद्घाटन किया जा सकता है। हालांकि मामला विवादित होने के कारण विभागीय अफसर या एजेंसी के लोग टेंटेटिव तिथि बताने से परहेज कर रहे हैं। मगर जून में इसके उद्घाटन की तिथि सीएमओ से मंजूर हो जाने के बाद तय कर ली जाएगी।

एनसीएसटी सदस्य डॉ आशा लकड़ा ने बीसीसीएल के अधिकारियों के साथ की बैठक

धनबाद, एजेंसी। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डॉ आशा लकड़ा ने बुधवार को बीसीसीएल के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने अनुसूचित जनजाति समुदाय के कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की और अधिकारियों को कई निर्देश दिये। डॉ लकड़ा ने बीसीसीएल में कार्यरत अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों को मुआवजा, अनुकंपा आधारित नियुक्ति और पुनर्वास से जुड़ी विस्तृत जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही बीसीसीएल के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों, रोस्टर प्रणाली के अनुपालन व बैकलॉग भर्तियों की जानकारी प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है।

डॉ लकड़ा ने माइनिंग क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों की संख्या, स्थानीय लोगों की भागीदारी, पेंशन, ट्रेनिंग, पीएफ, ग्रेच्युटी और रिटायरमेंट लाभों की भी जानकारी मांगी। जन्म तिथि से संबंधित गड़बड़ियों को जल्द सुधारने के निर्देश दिया है। डॉ लकड़ा ने सीएसआर फंड का उपयोग करते हुए माइनिंग क्षेत्र के बच्चों को स्किल डेवलपमेंट की सुविधा देने, एग्यारकुंड स्थित तीन गांवों में हाइड्रेड से पेयजल आपूर्ति और बंद खदानों में जमा पानी को ट्रीटमेंट कर उपयोगी बनाने का भी सुझाव दिया है।

बैठक के दौरान मुनिया देवी का मामला भी उठा, जो पिछले लगभग 30 वर्षों से अनुकंपा के आधार पर नौकरी मांग रही हैं। डॉ लकड़ा ने अधिकारियों को उन्हें शीघ्र नियुक्ति देने के निर्देश दिया है। साथ ही आदिवासी समुदाय के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर सिकल सेल और एनीमिया की जांच, तोपचांची के 50 बिरहोर परिवारों के बच्चों को हिंदी, अंग्रेजी और गणित की शिक्षा देने तथा महिलाओं के लिए स्वच्छता सुविधाएं जैसे टॉयलेट निर्माण और सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन लगाने के निर्देश दिया है। रोस्टर के आधार पर नियुक्ति में गड़बड़ी मामले व माइनिंग सरदार की ट्रेनिंग पूरी करने के बावजूद नौकरी नहीं देने के मामले में डॉ लकड़ा ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

झामुमो-कांग्रेस का रघुवर दास पर पलटवार, कहा- पेसा पर आदिवासी समाज को गुमराह कर रही भाजपा

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के नेता रघुवर दास द्वारा हेमंत सरकार पर लगाए गए आरोपों पर सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा और रघुवर दास आदिवासी समाज के मुद्दों को लेकर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, न कि समाधान देना।

रघुवर दास को पेसा कानून की याद अब आ रही है, जबकि उनके पूरे शासनकाल में इस दिशा में एक भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने सवालिया लहजे में पूछा कि यदि उन्हें आदिवासी समाज की इतनी ही चिंता थी तो 2014 से 2019 के दौरान भाजपा सरकार ने पेसा कानून लागू क्यों नहीं किया भाजपा नेता बताएं कि उन्होंने राज्यसभा, लोकसभा, विधानसभा कहीं पर भी सरना-आदिवासी धर्म कोड या पेसा नियमावली के लिए कोई पहल क्यों नहीं की।

झामुमो महासचिव ने कहा कि भाजपा को पेसा कानून की मूल भावना से नहीं, बल्कि इसे अपने एजेंडे के अनुसार मोड़ने में रुचि है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पेसा नियमावली को लेकर गंभीरता से काम कर रही है और तमाम वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं आदिवासी हैं, सरना धर्म को मानने वाले हैं, और भाजपा को यह रास नहीं आता। इसलिए वे समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

झामुमो नेता विनोद पांडेय ने भाजपा पर आदिवासी समाज को विदेशी धर्म और मूल धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह वही भाजपा है, जो आदिवासियों को ईसाई बताकर उनकी नागरिकता, रोजगार और अधिकारों को संदेह के घेरे में खड़ा करती रही है। अब पेसा कानून को धर्म की चादर में लपेटकर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश हो रही है, जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

झामुमो महासचिव ने कहा कि यह पार्टी ही थी जिसने झारखंड राज्य बनाया और हमेशा आदिवासी समाज की अस्मिता, भाषा, संस्कृति और स्वशासन के लिए संघर्ष किया। हमने सरना कोड की आवाज़ संसद तक पहुंचाई है। 2020 में झारखंड विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया, जो आज तक केंद्र सरकार की फाइलों में दबा पड़ा है।

झामुमो केंद्रीय महासचिव ने कहा कि भाजपा को पेसा, सरना कोड, या आदिवासी समाज के अन्य अधिकारों पर बोलने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए कि उसने पिछले शासन में क्या किया। आज जब हेमंत सरकार हर मोर्चे पर आदिवासी हितों को प्राथमिकता दे रही है, तो भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है।

पूर्व शिक्षामंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा संवाददाता सम्मेलन कर लगाए गए आरोपों का जवाब दिया है। बंधु तिर्की ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि पता नहीं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को वैसा कौन-सा विदेशी धर्म नजर आ रहा है जो पेसा नियमावली तैयार करने के मार्ग में बाधक बना है। बंधु तिर्की ने कहा कि भाजपा नेताओं विशेषकर रघुवर दास की दूसरों पर दोषारोपण करने की आदत सी हो गयी है। उसी आदत की वजह से वह किसी तथाकथित विदेशी धर्म का नाम ले रहे हैं। लेकिन ऐसी अतार्किक और हल्की बातें उनके मुंह से अच्छी नहीं लगती।

हजारीबाग के 130 बीपीएल बच्चों का निजी स्कूलों में होगा फ्री एडमिशन, डीसी ने दी सहमति

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के 15 निजी स्कूलों में गरीबी रेखा से नीचे रह रहे बीपीएल परिवार के 130 बच्चों का निःशुल्क नामांकन लिया जायेगा। इस पर डीसी शशि प्रकाश सिंह की सहमति के बाद रास्ता साफ हो गया है। 27 मई की देर शाम को शिक्षा विभाग ने नामांकन लेने वाले बीपीएल परिवार से जुड़े बच्चों की सूची जारी की है।

जानकारी के अनुसार, पहले फेज में मान्यता प्राप्त अलग-अलग 15 निजी विद्यालयों में 130 बच्चों का निःशुल्क नामांकन होगा। नामांकन को लेकर शिक्षा अधिकारियों ने बच्चों की सूची के साथ निजी स्कूलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। इनमें से सबसे अधिक 17 बीपीएल बच्चों का शहर के संत स्टीफन स्कूल में निःशुल्क नामांकन होगा। जिले में 19 निजी स्कूलों को चयनित कर उनमें 252 सीट बीपीएल बच्चों के लिए सुरक्षित किया गया है। इसे लेकर मार्च 2025 में 510 आवेदन लिया गया।

चयन समिति ने 320 आवेदन रद्द किया है। स्वीकृत 190 में 60 आवेदन को स्कूल से दूरी, सीट उपलब्ध नहीं होने और अन्य दूसरे कारणों से चयन प्रक्रिया से बाहर किया गया है। बता दें कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 अन्तर्गत मान्यता प्राप्त सभी निजी विद्यालयों में प्रवेश कक्षा (इंट्री क्लास) की कुल सीटों में 25 प्रतिशत बीपीएल बच्चों का नामांकन अनिवार्य किया गया है।

सुभाषितम्

मै एक मजदूर हूँ। जिस दिन कुछ लिख न लूँ, उस दिन मुझे रोटी खाने का कोई हक नहीं। - प्रेमचंद

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट

महाराष्ट्र मे डबल इंजन की सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने हजारों करोड़ के ठाणे ट्विन टनल और वसई एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट में पारदर्शिता की कमी को लेकर महाराष्ट्र सरकार को जमकर फटकारा है। इस परियोजना में मेघा इंजीनियरिंग नामक कंपनी को टेंडर देने का मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। विश्व प्रसिद्ध एलएंडटी कंपनी को टेक्निकल कारणों से महाराष्ट्र सरकार ने एलएंडटी को अयोग्य ठहराया। चौंकाने वाली बात यह थी। एलएंडटी की बोली मेघा इंजीनियरिंग से करीब 3000 करोड़ रुपये कम की थी। मेगा इंजीनियरिंग को टेंडर देने के लिए एलएनटी को अक्षम बताकर 3000 करोड़ ज्यादा राशि में यह टेंडर मेगा इंजीनियरिंग को दिया गया। यह टेंडर एमएमआरडीए द्वारा जारी किया गया था। जो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अधीन था। सुप्रीम कोर्ट ने इस चयन प्रक्रिया को मनमाना और अपारदर्शी बताते हुए कहा ,यह जनता के पैसे की बबार्दी है। एक तरह से यह रिश्वतखोरी और कदाचरण की ओर इशारा करता है। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा सरकार अपनी एफडी तोड़कर ये पैसा नहीं दे रही है। यह टैक्सपेयर का धन है।इसकी जवाबदेही तय होगी। इस मामले की चर्चा इस वजह से और भी तेज हुई। क्योंकि मेघा इंजीनियरिंग ने 2019 से 2024 तक करीब 966 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। जिनमें से 644 करोड़ का चंदा बीजेपी को दिया। मेघा इंजीनियरिंग ने इस टेंडर के मिलने के बाद कंपनी ने 115 करोड़ के नए चुनावी बॉन्ड खरीदे। इस पर अदालत ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट इस पूरे मामले को समझ गई है। मेघा इंजीनियरिंग को क्यों 3000 करोड रुपए ज्यादा में टेंडर दिया गया। एलएनटी को तकनीकी कारणों से क्यों बाहर किया गया। पिछले एक दशक से केंद्र एवं डबल इंजन की सरकार जिन-जिन राज्यों में है। वहां पर विकास के नाम पर इसी तरह की कार्रवाई चल रही है। चुनावी बॉन्ड सत्ता में बैठे राजनीतिक दलों के लिए खुलेआम रिश्वत लेने के लिये नया जरिया बन गए थे? महाराष्ट्र सरकार की वित्तीय स्थिति पहले से ही खराब है। महाराष्ट्र सरकार के पास जरूरी योजनाओं के लिए जिसमें फसल खरीदने और किसानों को पैसा नहीं दे पा रही है। स्कूल गोद लो योजना के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। जिससे शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है।लाडली बहना योजना का भुगतान नहीं हो पा रहा है। ऐसे में एक ही प्रोजेक्ट में 3000 करोड़ रुपये की मेघा इंजीनियरिंग पर जो कृपा महाराष्ट्र सरकार द्वारा बरसाई गई है। यह टैक्सपेयर्स और आम जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा नही है? सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को टेंडर रद्द करने, पुनर्निविदा की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश महाराष्ट्र सरकार को दिया है। ऐसा नहीं होने पर न्यायालय के आदेश का इंतजार करने की चेतावनी महाराष्ट्र सरकार को दी है। यह मामला सिर्फ टेंडर की पारदर्शिता का नहीं, बल्कि सरकार की राजनीतिक एवं प्रशासनिक जवाबदेही का भी है। सुप्रीम कोर्ट के इस रुख से स्पष्ट हो गया है, कि डबल इंजन की सरकारों में विकास के नाम पर जो योजनाएं संचालित की जा रही हैं उसमें किस लेवल पर भ्रष्टाचार हो रहा है। चुनावी बांड के जरिए किस तरह से रिश्वत का नया खेल भारत में शुरू हुआ था। पिछले कुछ वर्षों से राम के नाम पर जिस तरह का भीड तंत्र तैयार किया गया है। भाजपा ने आम जनता के बीच यह छबि बनाई है। भाजपा नेता ईमानदार हैं। विपक्ष भ्रष्टाचारी है। पिछले वर्षों में विपक्षी दलों की बेईमान और राम नाम जपने वालों को ईमानदार बताया गया है। राम के नाम पर जो लूट हो रही है, उसका खुलासा सुप्रीम कोर्ट में इस केस के माध्यम से हुआ है। धार्मिक उन्माद और राम के नाम पर डबल इंजन की सरकारें बनी है। अपनी जवाबदेही से बच रही हैं। एलएनटी जैसी संस्था जो तकनीकी के मामलों में भारत ही नहीं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ संस्था के रुप में स्थापित है। जिसने राम मंदिर के निर्माण में महती भूमिका का निर्वाह किया है। उसे भी डबल इंजन की सरकार के मुख्य पदों पर बैठे हुए लोगों द्वारा अपने निजी और राजनीतिक लाभ के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। इससे बड़ा कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए परत दर परत सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को उजागर किया है। उसके बाद यह आवश्यक हो गया है। चुनावी बांड के जरिए जो रिश्वतखोरी सरकारों द्वारा की गई है। कुछ चुनिंदा कंपनियों को ही काम दिया गया है।

चिंतन-मनन

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है। वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो।

व्यवसायिकता ने निगल ली निष्पक्षता पत्रकारिता !

- डा श्रीगोपाल नारसन

अब मिशनरी पत्रकारिता का दौर खत्म हो चुका है और मिशनरी की जगह व्यवसायिकता का कब्जा हो गया है,तभी तो पत्रकारिता पतन के कगार पर पहुंच गई है।लेकिन ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं अभी भी पत्रकारिता को सकारात्मक मार्ग पर लाने के लिए भरसक प्रयत्न में जुटी हुई है।जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर से लेकर लोकल स्तर पर भी पत्रकारों को बुलाकर उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान देंकर उन्हें नकारात्मक पत्रकारिता के दल दल से निकालने का सार्थक प्रयास कर रही है। क्षेत्रीय ,प्रादेशिक व राष्ट्रीय अखबारो व मीडिया चैनलों ने अधिकांशतः सत्ता की ताकत के साथ समझौता कर अपने एथिक्स को कही पीछे धकेल दिया है।जिस कारण इतिहास बनती मिशनरी पत्रकारिता को बचाने के लिए अब हमें नए सिरे से विचार करना होगा कि सुबह का अखबार कैसा हो? समाचार चैनलों पर क्या परोसा जाए? क्या नकारात्मक समाचारों से परहेज कर सकारात्मक समाचारों की पत्रकारिता संभव है ?क्या धार्मिक समाचारों को समाचार पत्रों में स्थान देकर पाठको को धर्मावलम्बी बनाया जा सकता है ? हाल ही में देश के लगभग 500 पत्रकारों ने ब्रहमाकुमारीज के ज्ञान सरोवर माउण्ट आबू में हुए मीडिया सम्मेलन में एक स्वर में निर्णय लिया कि व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय उन्नति के लिए उज्जवल चरित्र व सांस्कृतिक निर्माण के सहारे सकारात्मक समाचारों को प्राथमिकता देकर मीडिया सामग्री में व्यापक बदलाव किया जाए। सम्मेलन में विकास से सम्बन्धित समाचारों, साक्षता, संस्कृति, नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्य जैसे मुददों का समावेश कर स्वस्थ पत्रकारिता का लक्ष्य निर्धारित करने की मांग की गई थी। आज देशभर में 800 से अधिक चैनल चल रहे है। जिनमें से कई चैनल ऐसे है जो समाज के सुदृडीकरण के लिए खतरनाक है। इन चैनलों पर इतनी अश्लीलता दिखाई जाती है कि उसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर नही देख सकता। ऐसे चैनलों पर कोई रोक भी नही है। इसलिए ऐसे चैनलों को ऐसी आपत्तिजनक सामग्री परोसने के बजाए समग्र परिवार हित की सामग्री परोसने पर इन चैनलों को विचार करना चाहिए।सम्मेलन में ऐसे समाचारों को परोसने से परहेज करने की सलाह दी गई थी जिसको चैनल पर देखकर या फिर अखबार में पढकर मन खराब होता हो या फिर दिमाग में तनाव उत्पन्न होता हो।बदलते दौर में हिन्दी पत्रकारिता के भी मायने बदल गए है। अपनी ताकत से दुनिया को मुठठी में करने के बजाए पत्रकारिता गली मोहल्लो तक सिकुडती जा रही है। अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र क्षेत्रीयता के दायरे में और क्षेत्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र स्थानीयता के दायरे में सिमटते जा रहे है। जो पत्रकारिता के लिए शुभ संकेत नही है। सही मायने में पत्रकारिता का अर्थ अपनी और दुसरों की बात को दूर तक पंहुचाना है।साथ ही यह भी जरूरी है कि किस धटना को खबर बनाया जाए और किसे नही? आज की पत्रकारिता बाजारवाद से ग्रसित होने के साथ साथ मूल्यों की दृष्टि से रसातल की तरफ जा रही है। बगैर कार्यक्रम हुए ही कपोल कल्पित कार्यक्रम की खबरे आज अखबारो की सुर्खिया बनने लगी है,सिर्फ नाम छपवाने के लिए जारी झूठी सच्ची विज्ञप्तियों के आधार पर एक एक खबर के साथ बीस बीस नाम प्रकाशित किये जाने लगे है जो पत्रकारिता की विश्वसनीयता को न सिर्फ प्रभावित कर रहे है बल्कि ऐसी पत्रकारिता पर सवाल उठने भी स्वाभाविक है। इसके पीछे अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जितने ज्यादा नाम प्रकाशित होगे, उतना ही ज्यादा अखबार बिकेगा, लेकिन यह पत्रकारिता के स्वास्थ्य के लिए ठीक नही है ।ठीक यह भी नही है कि प्रसार संख्या बढाने की गरज से समाचार पत्र को इतना अधिक स्थानीय कर दिया जाए कि वह गली मोहल्ले का अखबार बन कर रह जाए। आज हालत यह है कि ज्यादातर अखबार जिले और तहसील तक सिमट कर रह गए है। यानि एक शहर की खबरे दूसरे शहर तक नही पंहुच पाती।देश के राज्यो व जनपदों की सीमा बदलने के साथ ही पत्रकारिता भी सीमाओं की परिधि में सिकुड़ गई है। जिस कारण जिला और प्रदेश बदल जाने के कारण एक नगर की खबरे दूसरे तक नही पंहुच पाती है।इससे पाठक स्वयं को ठगा सा महसूस करता है। ऐसा नही है कि स्थानीय खबरो की जरूरत न हो, लेकिन यदि एक अखबार में लॉक डाउन से पहले 4से 6 पेज स्थानीय खबरो के होते थे जो अब दो पृष्ठों में सिमट कर रह गए है।इससे पाठक को क्षेत्रीय,राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खबरे कम पढने को मिल रही है, जो उनके साथ अन्याय है। वैसे भी खबर वही है, जो दूर तक जाए यानि दूरदराज के क्षेत्रो तक पढी जाए। दो दशक पहले तक स्थानीय खबरो पर आधारित अखबार बहुत कम थे। पाठक राष्ट्रीय स्तर के अखबारो पर निर्भर रहता था। वही लोगो की अखबार पढने में रूची भी कम थी। स्थानीय अखबारो ने पाठक संख्या तो बढाई है लेकिन पत्रकारिता के स्तर को कम भी किया है। आज पीत पत्रकारिता और खरीदी गई खबरो से मिशनरी पत्रकारिता को भारी क्षति हुई है। जिसे देखकर लगता है जैसे पत्रकारिता एक मिशन न होकर बाजार का हिस्सा बनकर गई हो।

पत्रकारिता में परिपक्व लोगो की कमी,पत्रकारिता पर हावी होते विज्ञापन,पत्रकारो के बजाए मैनेजरो के हाथ में खेलती पत्रकारिता ने स्वयं को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जरूरी है पत्रकारिता निष्पक्ष हो लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है

ऐसी खबर जो सच होते हुए भी राष्ट्र और समाज के लिए हानिकारक हो, तो ऐसी खबरो से परहेज करना बेहतर होता है। पिछले दिनों देश में गोला बारूद की कमी को लेकर जो खबरे आई थी वह राष्ट्र हित में नही थी इसलिए ऐसी खबरो से बचा जाना चाहिए था। जस्टिस मार्कण्डेय काटजू का यह ब्यान कि पत्रकारिता को एक आचार संहिता की आवश्यकता है,अपने आप में सही है ,बस जरूरत इस बात कि है कि यह आचार संहिता स्वयं पत्रकार तय करे कि उसे मिशनरी पत्रकारिता को बचाने के लिए क्या रास्ता अपनाना चाहिए जिससे स्वायतता और पत्रकारिता दोनो बची रह सके। इसके लिए जरूरी है कि पत्रकार प्रशिक्षित हो और उसे पत्रकारिता की अच्छी समझ हो,साथ ही उसे प्रयाप्त वेतन भी मिले।ताकि वह शान के साथ पत्रकारिता कर सके और उसका भरण पोषण भी ठीक ढंग से हो।

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

- ललित गर्ग

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी ह्नकलकत्ताह्व से हिन्दी भाषा में ह्यउदन्त मार्तण्डह्ण के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है।

उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का ह्यप्रतापह्ण समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने ह्यप्रतापह्ण को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्याथीर्जी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान्‌ लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में ह्नराष्ट्रवाणीह्ण एवं ह्यपरिवर्तनह्ण जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था।

आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि ह्यन खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।ह्ण उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। पत्रकारिता लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है।

राष्ट्रवाद की नई रेखाएं विचार से व्यापार तक !

- सोनम लववंशी

राष्ट्रवाद अब केवल झंडे में सिमटी भावना नहीं, वह स्मृति बन चुका है जो स्वतंत्रता संग्राम की मशाल भी थी और आज के दौर में आम जन के विवेक का हिस्सा भी है। तुर्की और अजरबैजान द्वारा भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर की गई टिप्पणियाँ केवल राजनीतिक मसले नहीं हैं, बल्कि यह उन राष्ट्रों के प्रति जनमानस की प्रतिक्रियाओं को भी जगा रही हैं, जो भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाते हैं। इन प्रतिक्रियाओं में उपभोक्ताओं के बायकॉट की आवाजें शामिल हैं, जो अचानक उभरी भावना नहीं, यह एक ऐसे राष्ट्रवादी विचार का संकेत हैं जो अब सरकारी नीतियों या सीमा पर लड़ाई तक सीमित नहीं रहा। यह अब नागरिकों के निर्णयों में धड़कने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रवाद की परिभाषा बदल चुकी है। यह अब नारे लगाने या साल में एक दिन झंडा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर उस छोटे-बड़े निर्णय में समाहित हो चुका है, जिसमें व्यक्ति देश के मान और हित को निजी सुविधा से ऊपर रखता है। अब भारतीय उपभोक्ता ब्रांड से पहले यह देखने लगा है कि वह वस्तु किस देश से आई है और उस देश का भारत के प्रति रुख क्या है। यह राष्ट्रवाद का नया चेहरा है जो विचारशील, सजग और विवेकशील।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो साल 2024 में ही 3 लाख 30 हजार से ज्यादा भारतीयों ने तुर्की में छुट्टियां बिताईं, जबकि अजरबैजान में घूमने वालों की संख्या 2 लाख 43 हजार से ऊपर रही। ये मात्र पर्यटक नहीं थे, बल्कि अरबों रुपये की पूंजी थी जो प्रत्यक्ष रूप से उन देशों की अर्थव्यवस्था को सहारा देती है, जो बार-बार भारत के कश्मीर जैसे संवेदनशील मसलों पर पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। आँकड़ों के अनुसार, एक भारतीय पर्यटक औसतन 1 लाख रुपये खर्च करता है यानी सिर्फ 2024 में ही भारतीयों ने तुर्की और अजरबैजान में करीब 4 हजार करोड़ रुपये खर्च किए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम उन देशों की तिजोरी भरें, जो हमारी संप्रभुता को चुनौती देते हैं? क्या राष्ट्रवाद केवल जज्बा है, या फिर निर्णय लेने की दिशा भी? तुर्की के राष्ट्रपति एदोर्गान द्वारा लगातार कश्मीर पर भारत विरोधी बयान और अजरबैजान द्वारा इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे मंचों पर पाकिस्तान का साथ देना, भले ही कूटनीति के दायरे में आता हो, पर जब इन बातों का असर आम नागरिक की चेतना पर पड़ता है, तब जवाब भी जमीनी होता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर बॉयकॉट तुर्किए और बॉयकॉट अजरबैजान जैसे ट्रेंड देशभर से समर्थन पा रहे हैं। यह बायकॉट कोई आवेश में लिया गया फैसला नहीं है। ये उस उपभोक्ता चेतना की अभिव्यक्ति है जो अब राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने लगी है। राष्ट्रवाद अब युद्ध और वीरता के साथ खड़ा होने तक सीमित नहीं। यह अब उस मोबाइल ऐप को हटाने में दिखता है जो देश विरोधी ताकतों से जुड़ा है, या उस विज्ञापन को अस्वीकार करने में जो भारत की संस्कृति का उपहास उड़ाता है। चीन के खिलाफ उठी आवाजें इसकी मिसाल थीं, अब तुर्की और अजरबैजान की बारी है।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य साथ दे रहा है। आपको कार्यस्थल पर अतिरिक्त ज़िम्मेदारियां दी जा सकती हैं।

तुला चंद्रमा और शुक्र का शुभ संयोग आपको ऐसी जगह ले जाएगा जहां से लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे।

वृषभ आज आपकी राशि पर है और आपको लाभ दे रही है। आर्थिक स्थायित्व का संकेत है।

वृश्चिक मामलों में फायदे का दिन है। पेशेवर नेटवर्क का फायदा उठाकर करियर में बड़ा निर्णय ले सकते हैं।

मिथुन आज दिन लाभ से भरा होगा। आपको करियर के मामले में जबर्दस्त लाभ होगा।

धनु आज लाभ होगा। आपके पुराने आर्थिक बोझ से राहत मिलने की संभावना है।

कर्क आज ग्रहों की दशा शुभ है और आपके पुराने अटके काम पूरे हो सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर आपको भाग्य का साथ मिलेगा। कोई पुराना निवेश अब फल दे सकता है।

सिंह आसपास के माहौल को ध्यान से समझना और रवैया अपनाना आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद होगा।

कुंभ तरक्की होगी और धन के मामले में लाभ होगा। यह समय आर्थिक रूप से आपको मजबूत करेगा।

कन्या आज धन के मामले में लाभ होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं।

मीन बिजनस में नई पार्टनरशिप या जॉइंट वेंचर शुरू कर सकते हैं, जिससे बड़ा लाभ मिलेगा।

विशेष

राजनाथ पीओके वासियों का दिल जीत रहे

एक तरफ भारत सरकार ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर पाकिस्तान को सबक सिखाने जैसा काम कर दिखाया है तो वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऐसी बात कह दी है, जो पीओके वासियों को जरुर भली लगने वाली है। दरअसल दिल्ली में आयोजित वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) को लेकर कहा, कि अब भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी कोई वार्ता होगी, वह केवल आतंकवाद और पीओके पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने कहा, कि मैं मानता हूं कि पीओके के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं। प्रेम, एकता और सत्य के मार्ग पर चलकर वो दिन दूर नहीं जब पीओके स्वयं लौटकर कहेगा, मैं भारत ही हूं, मैं वापस आया हूं।

थियेटर कमांड से सेनाओं की एकजुटता

पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद सीमा पर की गई एयर स्ट्राइक से तनाव बराबर बना हुआ है। इसी बीच केंद्र सरकार ने थियेटर कमांड (सेना, वायुसेना, नौसेना की संयुक्त कमांड) के गठन की प्रारंभिक कवायद से जुड़े अंतर सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम-2023 के तहत तैयार किए गए नियमों को राजपत्र में अधिसूचित कर एक बड़ा संदेश दे दिया है। इसके पीछे का उद्देश्य अंतर-सेवा-संगठनों (आईएसओ) की प्रभावी कमान, नियंत्रण और कुशल कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के अलावा सशस्त्र सेनाओं के बीच एकजुटता व कमांड दक्षता सुनिश्चित किया जाना है। गौरतलब है कि यह नियम सेना, वायुसेना और नौसेना की संयुक्त थियेटर कमांड का गठन हो जाने पर काफी मददगार साबित होंगे।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1808 फ्रान्स के नेपोलियन बोनापार्ट ने टस्कैनी इटली पर कब्जा किया. 1904 जापानी फौजों ने डाल्मो रूस पर कब्जा किया. 1913 तुर्की और बाल्कन देशों में शांति संधि हुई. 1919 जलियांवालाबाग कांड के विरोध में कविवर रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने सर का खिताब वापस कर दिया. 1955 भारतीय श्रमिक संघ आंदोलन के जनक नारायण मल्हार जोशी का निधन हुआ. 1957 ब्रिटेन ने चीन के साथ व्यापार पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी. 1963 पूर्वी पाकिस्तान अब बंग्लादेश में तूफान से दस हजार से अधिक लोग मारे गए. 1967 मिस्त्र और जार्डन में आपसी रक्षा संधि को हुई. 1992 सुरक्षा परिषद ने मोटेनोग्रो और बोस्निया पर व्यापार प्रतिबंध लागू किए. 1993 मुस्लिम छापामार गुटों ने मशीन गन और तोपों से काबुल पर हमले किए.

दैनिक पंचांग

30 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

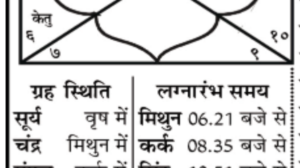

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.21 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	08.35 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.51 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.03 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.13 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.28 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.44 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.49 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.36 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मीन	01.08 बजे से
		मेष	02.39 बजे से
		वृष	04.19 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 150 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 21.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 21.29 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 12.57 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.15 बजे तदनन्तर विष्टि 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872360
जूलियन दिन 2460825.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

स्ट्रेस दूर करने के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

स्ट्रेस हम सभी के जीवन का हिस्सा है। किसी को काम का स्ट्रेस है तो कोई पढ़ाई की स्ट्रेस में है। आजकल हर दूसरा बंदा इससे परेशान है। वहीं अक्सर लोग तनाव को दूर करने के लिए या तो चाय या कॉफी का सहारा लेते हैं। लेकिन इससे आपको कुछ देर के लिए ही आराम मिलता है,और बाद में नींद की कमी का कारण बनता है। ऐसे में हम आपको कुछ नेचुरल और हर्बल ड्रिंक्स की जानकारी दे रहे हैं जिससे आपको स्ट्रेस दूर करने में मदद मिलेगी। आइए इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट रामिता कौर से जान लेते हैं।

दालचीनी की चाय

स्ट्रेस दूर करने के लिए आप दालचीनी की चाय पी सकते हैं। इसके लिए आप एक कप पानी को उबालने के लिए चढ़ाएं, इसमें एक चुटकी दालचीनी पाउडर डाल दें, इसे उबालकर इसका सेवन करें। दालचीनी की सुगंध मस्तिष्क को शांत करती है।

इलायची ड्रिंक

स्ट्रेस दूर करने के लिए आप इलायची वाला पानी पिएं, इसके लिए आप दो इलायची को पानी में उबाल लें। पानी को सिप सिप करके पिएं और इलायची को चबा लें। इससे भी आपको फायदा मिलेगा। इलायची में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होता है जो मस्तिष्क को शांत करता है।

माचा टी

माचा टी भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए आप एक कप गर्म पानी में आधा छोटा चम्मच माचा पाउडर को डालकर चला दें, धीरे-धीरे इसका सेवन करें। माचा टी में थेआनिन होता है जो एक अमीनो एसिड है और मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकता है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध भी स्ट्रेस दूर करने में कारगर है, इसके लिए एक गिलास हल्के गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर चला दें, इसे सिप-सिप करके पिएं, इससे भी आपको काफी फायदा मिल सकता है।हल्दी में मौजूद करक्यूमिन में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होता है जो शरीर और मस्तिष्क को आराम प्रदान करता है। इसके अलावा दूध में ट्राइप्टोफैन नाम का अमीनो एसिड पाया जाता है, जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मूड बेहतर होता है और तनाव कम होता है।

आजकल गलत खान-पान और अनियमित जीवनशैली के चलते, लिवर की समस्या बढ़ती जा रही है। लिवर के सही तरह से फंक्शन न करने का असर, हमारे पूरे स्वास्थ्य पर होता है। आजकल फैटी लिवर के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से लिवर सही से डिटॉक्स नहीं हो पाता है।

फैटी लिवर के साथ नजर आने वाले ये लक्षण लिवर की खराबी का देते हैं संकेत

लिवर हमारे शरीर का एक अहम हिस्सा है और सेहतमंद रहने के लिए, लिवर का सही तरह से फंक्शन करना बहुत जरूरी है। आजकल गलत खान-पान और अनियमित जीवनशैली के चलते, लिवर की समस्या बढ़ती जा रही है। लिवर के सही तरह से फंक्शन न करने का असर, हमारे पूरे स्वास्थ्य पर होता है। आजकल फैटी लिवर के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से लिवर सही से डिटॉक्स नहीं हो पाता है। शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने पर, कई तरह की बीमारियां हमें घेर लेती हैं। फैटी लिवर के साथ अगर आपके शरीर में कुछ और लक्षण भी देखने को मिल रहे हैं, तो इन्हें नजरअंदाज न करें। ये लक्षण, लिवर की खराबी का संकेत हो सकते हैं। सेहतमंद रहने के लिए, लिवर का हेल्दी होना जरूरी है। यहां हम आपको कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जो फैटी लिवर के साथ अगर नजर आएं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

- अगर फैटी लिवर के साथ आपको वजन कम करने में भी मुश्किल आ रही है, तो इसका मतलब है कि आपका लिवर सही तरीके से काम नहीं कर रहा है।
- मोटापा, फैटी लिवर का एक मुख्य कारण है। वहीं, अगर आपका लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो इससे डाइजेशन पर असर होता है और आप वजन कम नहीं कर पाती हैं।
- अगर आपके मुंह या शरीर से दुर्गंध आ रही है, तो यह भी लिवर के सही तरह से काम न करने का संकेत है। दरअसल, जब लिवर सही से काम नहीं करता है, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं।
- जीभ के ऊपर सफेद लेयर का जमना भी इस बात का संकेत है कि आपका लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है। लिवर फंक्शन सही न होने पर, शरीर डिटॉक्स नहीं हो पाता है।
- अगर आपको लगातार स्किन इंफेक्शन हो रहे हैं, एक्ने, प्राइवेट पार्ट्स में पिंपल्स जैसी दिक्कते हो रही हैं, तो यह भी लिवर की खराबी का संकेत है। इसे नजरअंदाज न करें।
- बार-बार होने वाला सिरदर्द भी, लिवर में खराबी की तरफ इशारा करता है।
- लिवर सही न होने पर, डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें आम होती हैं। अगर आपको खाना ठीक से नहीं पच रहा है, खाने के बाद अक्सर, ब्लोटिंग, गैस, उल्टी और बदहजमी होती है, तो इसे लिवर की खराबी का संकेत समझें।
- लिवर सही न होने पर इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। अगर आप बार-बार बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, तो इसकी वजह लिवर फंक्शन सही न होना हो सकता है।
- शरीर में न्यूट्रिशन की कमी, हार्मोनल इंबैलेंस और लिवर की खराबी की वजह से शुगर क्रेविंग्स हो सकती हैं। बार-बार होने वाली शुगर क्रेविंग्स, आपकी सेहत भी खराब कर सकती हैं।
- अगर फैटी लिवर के साथ, आपका लिवर फंक्शन सही नहीं है, तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है।

क्या फैटी लिवर की वजह से बढ़ सकता है दिल की बीमारियों का खतरा?

एक्टर मोहसिन खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि उन्हें माइल्ड हार्ट अटैक हुआ था। 31 साल की उम्र में एक्टर के हार्ट अटैक की खबर ने सभी को चौंका दिया। हालांकि, आजकल कम उम्र के लोगों में भी दिल की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। एक्टर ने यह भी बताया कि उन्हें फैटी लिवर की भी दिक्कत थी और पिछले साल माइनर दिल का दौरा पड़ा था। फैटी लिवर भी आजकल काफी कॉमन हो गया है। क्या फैटी लिवर और दिल की बीमारियों के बीच कोई रिश्ता है और क्या फैटी लिवर की वजह से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है, चलिए इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

क्या फैटी लिवर की वजह से बढ़ सकता है दिल की बीमारियों का खतरा?

- फैटी लिवर डिजीज यानी नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर की समस्या आजकल काफी बढ़ती जा रही है। इसका केवल लिवर पर भी नहीं, बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों पर भी असर होता है।
- फैटी लिवर की वजह से कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फैटी लिवर और दिल की बीमारियों के बीच गहरा कनेक्शन है।
- दरअसल, फैटी लिवर की वजह से मेटाबॉलिक विकार बढ़ने लगते हैं और इसकी वजह से दिल पर भी असर होता है।
- नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर सीधे तौर पर मोटापे से भी जुड़ा है। इसके कारण, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप 2 डायबिटीज और डिस्लिपिडेमिया होने के चांस रहते हैं। ये सभी चीजें, दिल की बीमारियों की वजह बन सकती हैं।
- डिस्लिपिडेमिया, मेटाबॉलिज्म से जुड़ी एक कंडीशन है, जिसमें ब्लड में लिपिड का स्तर असामान्य रूप से ज्यादा या कम हो जाता है।
- लिवर, लिपिड मेटाबॉलिज्म में अहम भूमिका निभाता है और जब यह फैटी हो जाता है, तो इसकी वजह से इस पूरी प्रक्रिया पर असर होता है और इससे दिल पर भी असर होता है।
- फैटी लिवर के कारण, इंफ्लेमेशन बढ़ने लगता है। इससे एंडोथेलियल डिसफंक्शन की संभावना बढ़ जाती है। यह एक ऐसी बीमारी है जो छोटी रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती है।

यही कारण है कि जिन लोगों को फैटी लिवर है, उन्हें दिल की बीमारियों का अधिक खतरा रहता है।

फैटी लिवर के लक्षणों को रिवर्स करने के लिए आज ही से करें ये 7 काम

फैटी लिवर की समस्या आजकल काफी बढ़ती जा रही है। युवाओं में भी इसके काफी मामले सामने आ रहे हैं। लिवर हमारे शरीर से गंदगी को बाहर निकालने में और डिटॉक्स करने में मदद करता है। लिवर के सही तरह से फंक्शन न करने का असर, हमारे पूरे स्वास्थ्य पर होता है। खान-पान की गलत आदतों और खराब लाइफस्टाइल के चलते, फैटी लिवर के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। फैटी लिवर तब होता है, जब आपके लिवर में बहुत ज्यादा चर्बी जमा हो जाती है। फैटी लिवर के अलग-अलग ग्रेड होते हैं और इसे नजरअंदाज किया जाए, तो दिक्कत बढ़ जाती है। वसा का यह जमाव, लिवर और पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा जा सकता है। अगर आपकी रिपोर्ट में फैटी लिवर आ गया है, तो तुरंत इस पर ध्यान दें। इसे रिवर्स करने के लिए, डाइट और लाइफस्टाइल से जुड़े कई बदलाव जरूरी हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो फैटी लिवर के लक्षणों को मदद करने में मदद कर सकते हैं।

- एक्सपर्ट का कहना है कि फैटी लिवर का मतलब, सिर्फ लिवर के इर्द-गिर्द फैट जमा होना नहीं होता है, बल्कि इसकी वजह से कई सीरियस हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं।
- इसके कारण, लिवर इंफ्लेमेशन और लिवर सिरोसिस हो सकता है। अगर लंबे समय तक इस पर ध्यान न दिया जाए, तो लिवर फेलियर भी हो सकता है।
- फैटी लिवर की वजह से डायबिटीज, दिल की बीमारी और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर का खतरा बढ़ जाता है।
- लिवर के सही तरह से काम करने के लिए, गट हेल्थ का सही होना जरूरी है। डाइट में साबुत अनाज, सब्जियां और हेल्दी फैट्स को शामिल करें।
- ये सभी चीजें गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देती हैं और इंफ्लेमेशन कम करती हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इससे टॉक्सिन्स यानी अमा कम होते हैं। इनके बढ़ने पर लिवर फंक्शन पर असर होता है।
- शरीर को डिटॉक्स करने के लिए, सब्जियां, फल और दालों को खाएं। अलग से डिटॉक्स करने के लिए, हार्श डाइट का सेवन कई बार नुकसान पहुंचा सकता है।
- आयुर्वेद में कहा गया है कि लिवर हेल्थ के लिए डाइजेस्टिव फायर का सही होना डरूरी है। इसके लिए, डाइट में अदरक, हल्दी और जीरे को शामिल करें। इससे डाइजेशन सुधरता है।
- ये सभी चीजें शरीर में न्यूट्रिएंट्स के अब्जॉर्बशन को बढ़ावा हेती हैं और इससे टॉक्सिन्स कम होते हैं और लिवर फंक्शन सुधरता है।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, फैटी लिवर होने पर शुगर वाली चीजें और ड्रिंक्स को तुरंत बंद कर दें। इससे कुछ हफ्तों में लिवर पर जमी चर्बी कम हो सकती है।
- रोजाना कम से कम आधे घंटे ब्रिस्क वॉकिंग और योग करें। इससे लिवर की चर्बी 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है।
- क्रूसिफेरस सब्जियां जैसी ब्रोकली, गोभी और स्प्राउट्स को डाइट में शामिल करें। ये चीजें एंटी-ऑक्सीडेंट्स फाइटोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती हैं और फैटी लिवर को कम करती हैं।

कोर्टिसोल और थायराइड हार्मोन बैलेंस करने के लिए करें ये 2 प्राणायाम

शरीर में अलग-अलग हार्मोन्स को बैलेंस करने में अलग-अलग एक्सरसाइज और प्राणायाम कारगर हैं। कोर्टिसोल और थायराइड हार्मोन्स को बैलेंस करने के लिए, एक्सपर्ट के बताए ये 2 प्राणायाम करें।

सेहतमंद रहने के लिए, जितना जरूरी सही खान-पान है, उतना ही जरूरी एक्सरसाइज, योग और प्राणायाम को रूटीन में शामिल करना भी है। शरीर में हार्मोनल इंबैलेंस की वजह से कई दिक्कतें हो सकती हैं। थायराइड, कोर्टिसोल, इंसुलिन और भी कई अन्य हार्मोन्स में उतार-चढ़ाव होने पर, इसका असर हमारी सेहत पर होता है। आजकल हार्मोनल इंबैलेंस की वजह से होने वाली बीमारियां काफी बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में इन्हें बैलेंस करने पर आपको खास ध्यान देना चाहिए। शरीर में अलग-अलग हार्मोन्स को बैलेंस करने में अलग-अलग एक्सरसाइज और प्राणायाम कारगर हैं। कोर्टिसोल और थायराइड हार्मोन्स को बैलेंस करने के लिए, एक्सपर्ट के बताए ये 2 प्राणायाम करें। अगर आप अधिक तनाव में हैं, शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ा है, तो आप अनुलोम-विलोम करें। वहीं, थायराइड हार्मोन इंबैलेंस होने पर भ्रामरी प्राणायाम करें। इन्हें करने का सही तरीका और इनके फायदों के बारे में एक्सपर्ट से जानें।

तनाव दूर करने के लिए अनुलोम-विलोम प्राणायाम

- इसे करने के लिए सबसे पहले किसी शांत जगह पर बैठ जाएं।
- अब आपको जमीन पर बैठने में दिक्कत है, तो आप इसे ऊपर बैठकर भी कर सकती हैं।
- इसे सुखासन या पद्मसान में बैठकर करें।
- सबसे पहले अपने दाएं हाथ के अंगूठे से दांए नथुने को बंद करें।
- अब बाई तरफ की नाक से सांस को अंदर की तरफ खीचें।
- अब उंगलियों से बाएं नथुने के बंद कर दें।
- इसके बाद आप दाहिने नथुने से अंगूठा हटाकर सांस छोड़ें।
- अब दाएं नथुने से ही सांस को अंदर की ओर भरें।
- इसके बाद दाई नाक से सांस को अंदर की ओर भरें और कुछ सेकेंड्स में बाई नाक खोलकर सांस को बाहर निकाल दें।
- इसी तरह इन स्टेप्स को दोहराएं।
- इसे आपको रोज 10-15 मिनट करना है।
- इसे करने से तनाव दूर होता है और सांस संबंधी दिक्कतें भी कम होती हैं।
- इससे मन शांत होता है और नींद अच्छी आती है।
- इसे करने से शरीर में हार्मोनल बैलेंस बना रहता है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए अडानी ग्रुप ने 16,700 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अगले कुछ दिनों में शुरू हो सकता है। अडानी ग्रुप ने इस एयरपोर्ट के विकास पर 16,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस एयरपोर्ट को सफल बनाने के लिए अडानी ग्रुप ने सरकार से एक खास अनुरोध किया है। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए एक जैसी फीस लगाने की मांग की है। उसका कहना है कि यात्रियों और एयरलाइंस के लिए टैरिफ की गणना करते समय इन दोनों एयरपोर्ट को एक ही माना जाना चाहिए। अगर सरकार॰ ॥रु के इस प्रस्ताव को मान लेती है, तो दोनों एयरपोर्ट पर लगने वाले शुल्क बराबर हो जाएंगे। इससे नवी मुंबई एयरपोर्ट पर ज्यादा ट्रैफिक आने की संभावना है। श्व्र्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक ये दोनों एयरपोर्ट॰ ॥रु के ही हैं लेकिन नवी मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों से लिए जाने वाले शुल्क, लैंडिंग और पार्किंग चार्ज मुंबई एयरपोर्ट से काफी ज्यादा होंगे। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि शायद एयरलाइन कंपनियां नए एयरपोर्ट पर शिफ्ट होने से परहेज कर सकती हैं। नवी मुंबई एयरपोर्ट से जुलाई में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने की उम्मीद है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली पहली एयरलाइन होगी।

क्या है नियम

कंपनी ने एयरपोर्ट्स इकनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी) एक्ट में 2021 में हुए संशोधन का हवाला दिया है। इस संशोधन में एयरपोर्ट को ग्रुप में रखने और उन्हें एक यूनिट के रूप में नामित करने की अनुमति दी गई है। ऐसा छोटे और घाटे में चल रहे एयरपोर्ट के निजीकरण के लिए किया गया था। उन्हें उसी क्षेत्र के बड़े एयरपोर्ट के साथ मिलाकर निवेशकों के लिए आकर्षक बनाया गया था।

एक सूत्र ने कहा कि नवी मुंबई में एक नया एयरपोर्ट बनाने में बहुत ज्यादा पैसा लगाया गया है। इसलिए, स्वाभाविक रूप से नवी मुंबई में टैरिफ मुंबई से काफी ज्यादा होगा। मुंबई एक स्थापित एयरपोर्ट है, जहां पूंजीगत व्यय कम है और संपत्तियां पुरानी हो रही हैं। अगर दोनों एयरपोर्ट के टैरिफ की गणना एक यूनिट के रूप में की जाती है, तो दोनों एयरपोर्ट पर लगने वाले चार्ज दोनों का औसत होगा।

इससे समानता आएगी। टैरिफ रेगुलेटर ऐरा ऑपरेटर द्वारा किए गए पूंजीगत व्यय के आधार पर पांच साल के लिए एयरपोर्ट चार्ज तय करता है। यह ऑपरेटर को उचित लाभ हो, यह सुनिश्चित करने के लिए पूंजीगत व्यय, परिचालन लागत, मूल्यह्रास और गैर-एयरो राजस्व के आधार पर एयरपोर्ट के राजस्व और व्यय को ध्यान में रखता है।

कंपनियों का विरोध- एयरलाइन कंपनियां नए एयरपोर्ट पर शिफ्ट होने का विरोध कर रही हैं। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मार्च में कहा था कि अडानी ग्रुप नवी मुंबई में ऑपरेशन शुरू करने के लिए दोनों एयरपोर्ट के स्वामित्व का इस्तेमाल जबरदस्ती ट्रैफिक को वहां शिफ्ट करने के लिए कर रहा है। इस बारे में अडानी ग्रुप और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। कंपनी ने अक्टूबर में मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 के नवीनीकरण की योजना की घोषणा की है। इसके कारण लगभग 15 मिलियन यात्रियों को टर्मिनल 2 और नवी मुंबई में शिफ्ट करना होगा। इस प्रक्रिया में शामिल लोगों ने कहा कि राजस्व हिस्सेदारी में अंतर भी एक कारण है कि॰ ॥रु चाहता है कि ज्यादा एयरलाइंस नवी मुंबई से उड़ान भरें। रियायत समझौते के अनुसार मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को अपने सकल राजस्व का 38.7 प्रतिशत एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को देना होता है।

15 शहरों में हैं दो एयरपोर्ट

एक वरिष्ठ एयरपोर्ट अधिकारी ने कहा कि अगर मुंबई एयरपोर्ट की तुलना में नवी मुंबई एयरपोर्ट पर कम राजस्व हिस्सेदारी पर ज्यादा ट्रैफिक होता है, तो कंपनी के पास एयरपोर्ट के संचालन के लिए ज्यादा राजस्व होगा। इसलिए उन्हें एक यूनिट के रूप में मानना वित्तीय रूप से समझ में आता है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि कंपनी के प्रस्ताव पर॰ ढ्ढ और ष्ढ्ढष्टस्न के साथ विचार-विमर्श चल रहा है, जो भविष्य के मामलों के लिए एक मिसाल कायम करेगा। उन्होंने कहा कि 15 शहरों में दो एयरपोर्ट होने के कारण एक टैरिफ गणना प्रक्रिया स्थापित करना जरूरी है जो नए सुविधाओं के विकास को बढ़ावा दे और यात्रियों पर बोझ न डाले। लेकिन ऐरा के एक पूर्व अधिकारी ने चेतावनी दी कि इस तरह के कदम को अनुचित लाभ देने के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि उनके अलग-अलग समझौते और स्वामित्व संरचनाएं हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यह एकमात्र मामला है जहां एक ही कंपनी के पास एक ही क्षेत्र में दोनों एयरपोर्ट हैं।

11 प्रतिशत बढ़ा सरकारी कंपनी सेल का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 11 प्रतिशत बढ़कर 1,250.98 करोड़ रुपये हो गया। राजस्व में बढ़ोतरी के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। सेल ने वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 1,125.68 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। इस बीच, सेल के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 10 रुपये के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 1.60 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

राजस्व और खर्च- इसी अवधि में सेल का परिचालन राजस्व बढ़कर 29,316.14 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले साल की समान तिमाही में 27,958.52 करोड़ रुपये था। मार्च तिमाही में खर्च 28,020.56 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में यह 26,473.86 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर कंपनी का प्रॉफिट अक्टूबर-दिसंबर 2024 में अर्जित 141.89 करोड़ रुपये के मुनाफे की तुलना में लगभग नौ गुना अधिक रहा। हालांकि, समूचे वित्त वर्ष (2024-25) में कंपनी का नेट प्रॉफिट घटकर 2,371.80 करोड़ रुपये रह गया जो वित्त वर्ष 2023-24 में 3,066.67 करोड़ रुपये था।

क्या कहा कंपनी के चेयरमैन ने- सेल के चेयरमैन और एमडी अमरेंदु प्रकाश ने कहा- हमारे वित्तीय परिणाम परिचालन दक्षता, सतत वृद्धि और हितधारकों के लिए मूल्य सृजन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। पिछली तिमाही में मौजूद अंतरराष्ट्रीय शुल्क और आयात दबाव से उत्पन्न चुनौतियों के बीच, हमारा मजबूत प्रदर्शन हमारी स्थिति को मजबूत करते हुए जटिलताओं से निपटने की हमारी क्षमता को दर्शाता है।

पूर्व सीईओ समेत 5 अफसरों पर सेबी के बैन के बाद इंडसइंड बैंक के शेयर पर पड़ रहा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 बजे के करीब इंडसंड बैंक के शेयर सेंसेक्स टॉप गेनर बन गए। इनमें 1.26 प्रतिशत की उछाल थी और ये 815 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे थे। इसकी मेन वजह, पूर्व सीईओ सुमंत काठपलिया और बैंक के चार अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर सेबी द्वारा शेयर बाजार में कारोबार करने पर रोक लगाना। साथ ही, सेबी ने इन पांचों से कुल 19.78 करोड़ जब्त किए। हालांकि, बैंक ने दावा किया है कि सेबी के आदेश का हमारे कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे पहले बाजार खुलते ही इंडसइंड बैंक के शेयर 803.05 पर खुले। पिछले दिन के मुकाबले थोड़े नीचे रहे। वहीं, एनएसई पर इंडसइंड बैंक के शेयर 805.15 रुपये पर खुले और 803.05 रुपये तक आ गए। सुबह पौने दस बजे के करीब मामूली बढ़त के साथ 809 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे थे।

क्यों सेबी ने लिया इतना बड़ा एक्शन- इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप - सेबी के मुताबिक, ये अधिकारी बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में हुई गड़बड़ियों (1,749.98 करोड़ के नुकसान) की गुप्त जानकारी होने के बावजूद, दिसंबर 2023 से मार्च 2025 के बीच अपने शेयर बेचते रहे। हैरानी की बात यह है कि इन्होंने इस दौरान कुल 4.79 लाख शेयर बेचे, लेकिन एक भी नहीं खरीदे।

जानबूझकर चुप्पी - बैंक ने यह गड़बड़ी पहली बार दिसंबर 2023 में जानी, लेकिन इसे गुप्त जानकारी घोषित करने में 15 महीने की देरी की। आखिरकार, इसका खुलासा 10 मार्च 2025 को हुआ।

सरकार की सख्ती

खाद्य तेलों की पैकेजिंग नियमों में ढील का फायदा नहीं उठा पाएंगी कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार जल्द ही खाद्य तेलों के लिए स्टैंडर्ड पैक साइज फिर से लागू करने की योजना बना रही है। वर्ष 2022 में पैकेजिंग नियमों में ढील दिए जाने के बाद व्यापारियों ने ग्राहकों को कम मात्रा देकर अधिक कीमत वसूलनी शुरू कर दी थी, जिसके बाद यह कदम उठाया जा रहा है। मामले से जुड़े दो लोगों ने यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, 2022 में कानूनी मापविज्ञान (पैकेज्ड वस्तुएं) नियमों में बदलाव कर खाद्य तेलों की पैकिंग में लचीलापन दिया गया था। इसके बाद बाजार में 800 ग्राम, 810 ग्राम या 850 ग्राम जैसे अनियमित साइज के पैक बिकने लगे, जिन्हें एक किलो के पैक के रूप में बेचा गया। व्यापारी इन कम मात्रा वाले पैक के लिए एक किलो की पूरी कीमत वसूल रहे थे। इसे अनुचित और धोखाधड़ी भरा माना गया, क्योंकि इससे ग्राहकों का भरोसा टूट रहा था।

क्या है नई योजना

इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अब सरकार 500 ग्राम, एक किलो, दो किलो और पांच किलो जैसे पारंपरिक पैकिंग साइ को फिर से अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। इससे कीमतों में हेरफेर को रोका जा सकेगा। अधिकारी ने कहा कि हमें शिकायतें मिली हैं कि तेल के पैक की कीमत और वजन में अंतर की वजह से अनुचित व्यापार हो रहा है। 800 ग्राम के पैक की कीमत समझना ग्राहकों के लिए मुश्किल है, लेकिन दो किलो या 500 ग्राम का मानक पैक समझना आसान है।

रतन टाटा के चहेते ने चेयरमैन पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा केमिकल्स में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन अब इस पद पर नहीं रहेंगे। उनकी जगह कंपनी के डायरेक्टर एस. पद्मनाभन का नया चेयरमैन बनाया गया है। चंद्रशेखरन टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन हैं और दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाते हैं। रतन टाटा का पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था। चंद्रशेखरन को रतन टाटा का करीबी माना जाता था। रतन टाटा उन पर काफी भरोसा करते थे। चंद्रशेखरन को 2017 में टाटा संस का चेयरमैन बनाया गया था। एन. चंद्रशेखरन ने टाटा केमिकल्स के बोर्ड को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने बताया कि वह अब टाटा केमिकल्स के चेयरमैन क्यों नहीं रहना चाहते। उन्होंने कहा कि उनके पास अभी बहुत सारे काम हैं और आगे भी रहेंगे। इसलिए वह यह पद छोड़ रहे हैं। चंद्रशेखरन के पास टाटा केमिकल्स के लगभग 9 करोड़ रुपये के शेयर हैं। वह नवंबर 2020 में कंपनी के बोर्ड में शामिल हुए थे। नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति 20 कंपनियों में डायरेक्टर बन सकता है। इन कंपनियों में प्राइवेट, पब्लिक, लिस्टेड और अनलिस्टेड सभी तरह की कंपनियां शामिल हैं। टाटा मोटर्स अब दो अलग-अलग कंपनियों में बंट रही है। ऐसे में चंद्रशेखरन को उस ऑटोमोबाइल कंपनी में और भी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। हाल ही में उन्हें रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन का चेयरमैन भी बनाया गया है। यह फाउंडेशन टाटा ग्रुप की कंपनियों में रतन टाटा के शेयरों का बेनिफिशियरी है। इन शेयरों की कीमत 2,750 करोड़ रुपये है। इन 20 कंपनियों में से कोई व्यक्ति 10 पब्लिक कंपनियों के बोर्ड में शामिल हो सकता है। इन 10 कंपनियों में से वह 7 लिस्टेड कंपनियों में डायरेक्टर हो सकता है। टाटा केमिकल्स ने मोदन साहा को भी कंपनी का एडिशनल डायरेक्टर बनाया है। मोदन साहा टाटा संस में स्ट्रेटेजी हेड हैं। चंद्रशेखरन साल 1987 में एक इंटर्न के तौर पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ जुड़े थे। साल 2007 में उन्हें टीसीएस के बोर्ड में शामिल किया गया और सीओओ बनाया गया। इसके बाद साल 2009 में वह टीसीएस के सीईओ बन गए।

एनसीएलटी ने प्रमोटर्स समेत 37 पर कस दिया बड़ा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की अहमदाबाद पीठ ने बुधवार, 28 मई को जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड, उसकी संबंधित संस्थाओं और प्रमोटरों के खिलाफ वित्तीय कदाचार, कॉर्पोरेट धोखाधड़ी और शासन मानदंडों के व्यवस्थित उल्लंघन के गंभीर आरोपों के बाद कड़ी कार्रवाई शुरू की है। नियामकों द्वारा महत्वपूर्ण सार्वजनिक हित वाला बताया गया यह मामला, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए), सेबी, एसएफआईओ, आरबीआई और आयकर विभाग सहित कई एजेंसियों की ज्वाइंट कार्रवाई का कारण बना है। कंपनी के मालिक, अनमोल सिंह जाजी और पुनीत सिंह जाग्गी, पर आरोप है कि उन्होंने कंपनी के पैसे ग़लत तरीके से निकाल लिए (फंड डायवर्जन)। कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड (फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स) में हेराफेरी की गई। कंपनी की संपत्तियों को बिना इजाजत बेचा या गिरवी रखा गया।

गेहूं का इस साल नहीं होगा आयात-निर्यात

बंपर पैदावार से रिकॉर्ड 35.39 करोड़ टन अनाज का उत्पादन संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में प्रमुख फसलों की बंपर पैदावार को देखते हुए सरकार ने बुधवार को फसल वर्ष 2024-25 के लिए अनाज उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 35.39 करोड़ टन कर दिया है। इसमें अकेले गेहूं का उत्पादन 11.75 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन सहित प्रमुख फसलों के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हासिल की है। कुल मिलाकर, अनाज उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।दलहन-तिलहन उत्पादन को और बढ़ाना होगा, जिसके लिए प्रयास जारी है। तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, फसल वर्ष 2024-25 में गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.75 करोड़ टन कर दिया गया, जबकि पहले 11.53 करोड़ टन का अनुमान लगाया गया था।पिछले साल 11.33 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ था। धान का उत्पादन रिकॉर्ड 14.90 करोड़ टन हो सकता है, जो फसल वर्ष 2023-24 के 13.78 करोड़ टन से अधिक है।मक्का उत्पादन 4.23 करोड़ टन होने का अनुमान है। मोटे अनाजों का उत्पादन 62.1 लाख टन रह सकता है, जो पिछले वर्ष से अधिक है।

दलहन उत्पादन 2.52 करोड़ टन- दलहन उत्पादन बढ़कर 2.52 करोड़ टन होने का अनुमान है। अरहर उत्पादन 35.6 लाख टन, मूंग 38.1 लाख टन और चना 1.13 करोड़ टन हो सकता है। तिलहन उत्पादन 4.26 करोड़ टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल यह 3.96 करोड़ टन था।मूंगफली का उत्पादन रिकॉर्ड 1.19 करोड़ टन और सोयाबीन का 1.52 करोड़ टन होने का अनुमान है। सरसों का उत्पादन 1.26 करोड़ टन रह सकता है। गन्ना उत्पादन 45.16 लाख टन पहुंच सकता है।

गेहूं का इस साल नहीं होगा आयात निर्यात, भंडार चार साल के शीर्ष पर- देश में इस साल गेहूं की बंपर फसल होने से सरकारी भंडार भर रहे हैं। इससे इस वर्ष गेहूं का न तो आयात होगा और न ही निर्यात किया जाएगा। देश आयात के बिना घरेलू मांग को पूरा करने में सक्षम है। भारत ने 2022 में इस प्रमुख अनाज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे 2023 और 2024 में बढ़ा गया था। भीषण गर्मी के कारण 2023 और 2024 में फसलों के सूखने का डर था, जिससे भंडार में भारी गिरावट आने की आशंका थी। इससे गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती थीं। अटकलें लगाई जा रही थीं कि 2017 के बाद पहली बार भारत को गेहूं आयात की जरूरत पड़ सकती है

बिकने जा रही बीपी की कैस्ट्रॉल, रिलायंस से लेकर सऊदी अरामको तक ले रहे इंटरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल कंपनी बीपी कंपनी अपने दशकों पुराने और दुनियाभर में मशहूर केस्ट्रोल लुब्रिकेंट्स के बिजनेस को बेचने की तैयारी में है। यह खबर ही बाजार में तूफान ला दिया है, क्योंकि इसकी खरीदारी के लिए दुनिया के बड़े-बड़े दिग्गज मैदान में उतर आए हैं। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस डील में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। लेकिन रिलायंस अकेली नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको भी इस रेस में शामिल है। दोनों कंपनियों की नजर केस्ट्रोल के भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजारों में मजबूत पकड़ पर है।

बोली लगाने को ये भी तैयार- इन दोनों दिग्गजों के साथ ही, अमेरिका की बड़ी निवेश कंपनियां अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट और लोन स्टार फंड्स भी बोली लगाने को तैयार हैं। यही नहीं, ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट और स्टोनपीक पार्टनर्स जैसे बड़े निवेशकों को भी बीपी ने खरीदारी के लिए आमंत्रित किया है। अफवाह है कि कुछ कंपनियां आपस में गठजोड़ बनाकर भी इस रेस में शामिल हो सकती हैं।

दांव पर है बहुत बड़ी रकम- विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह डील 8 से 10 अरब डॉलर (करीब 66,000 से 83,000 करोड़ रुपये) में पूरी हो सकती है। इतनी बड़ी खरीदारी के लिए बैंकर भी तैयार हैं। वे खरीदारों को लगभग 4 अरब डॉलर (करीब 33,000 करोड़ रुपये) का कर्ज देने पर विचार कर रहे हैं। इस कर्ज को यूरो और डॉलर जैसी अलग-अलग मुद्राओं में देने की योजना है, ताकि पैसे की कमी न हो। यह इस साल की उन चुनिंदा बड़ी डीलों में से एक होगी जिसके लिए इतना बड़ा वित्तीय पैकेज तैयार हो रहा है।

आखिर बीपी अपना इतना पॉपुलर ब्रांड क्यों बेचना चाहती है- इसके पीछे कंपनी की बड़ी रणनीति काम कर रही है। बीपी अपने पूरे कारोबार का स्ट्रैटेजिक रिव्यू कर रही है। इसकी एक बड़ी वजह एक्टिविस्ट निवेशक एलियट इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट का दबाव भी है, जो अब बीपी के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक बन गया है। एलियट कंपनी पर तेजी से और साहसिक फैसले लेने का दबाव डाल रहा है। इस पर तेल की गिरती कीमतों ने भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं, जिससे बीपी के लिए अपनी संपत्तियों को अच्छे दाम पर बेचना और भी जरूरी हो गया है।

नवरत्न कंपनी से अनिल अंबानी की कंपनी को मिला पावर, 4400 प्रतिशत से ज्यादा उछले हैं शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर गुरुवार को 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 53.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर की सहायक इकाई रिलायंस एनयू एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड को नवरत्न कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड से लेटर ऑफ अवॉर्ड से मिला है। यह लेटर ऑफ अवॉर्ड 350 मेगावॉट के इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम कनेक्टेड सोलर पावर प्रोजेक्ट के साथ 175 एमडब्ल्यू/700 एमडब्ल्यूएच बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए है।

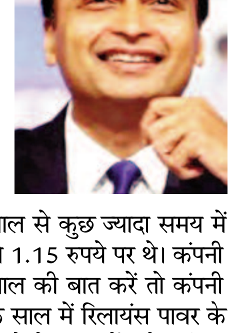

रिलायंस पावर की पोजिशन होगी मजबूत- चालू होने पर प्लेटफॉर्म 600 मेगावॉट की सोलर डीसी कैपेसिटी और 700 एमडब्ल्यूएच की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम कैपेसिटी रिलायंस पावर के पोर्टफोलियो में जोड़ेगा और न्यू एनर्जी सॉल्यूशंस में कंपनी की लीडरशिप पोजिशंस को मजबूत करेगा। कंपनी की टोटल क्लीन एनर्जी पाइपलाइन अब 2.4 गीगावॉट की सोलर डीसी कैपेसिटी और 2.5 त्न्ड्ढ॥ की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम कैपेसिटी हो गई है, जिससे यह इंटीग्रेटेड सोलर और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में सबसे बड़ी कंपनी हो गई है।

4400 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं रिलायंस पावर के शेयर- अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर पिछले पांच साल से कुछ ज्यादा समय में 4400 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 27 मार्च 2020 को 1.15 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 29 मई 2025 को 53.10 रुपये पर जा पहुंचे हैं। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो कंपनी के शेयरों में 2700 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल में रिलायंस पावर के शेयर 110 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। पिछले एक महीने में रिलायंस पावर के शेयरों में 29 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 55.10 रुपये है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 23.30 रुपये है।

00000

आईपीएल एलिमिनेटर

गुजरात और मुंबई के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

1मुल्लांपुर, एजेंसी। खिताब के दावेदार के रूप में शुरुआत करने के बाद लड़खड़ाने वाली शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में शुक्रवार को यहां पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियन्स से भिड़ेगी। एलिमिनेटर में हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी जबकि विजेता टीम को दूसरे क्वालीफायर में खेलने का मौका मिलेगा।

खराब शुरुआत के बावजूद मुंबई इंडियन्स की टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही। टाइटंस ने पिछले चार सत्र में तीसरी बार प्ले ऑफ में जगह बनाई है और इस दौरान 2022 में पदार्पण करते हुए खिताब भी जीता। हालांकि गिल और हार्दिक दोनों को ही काफी कुछ साबित करना है। अगर टाइटंस खिताब जीतता है तो भारत के नव नियुक्त टेस्ट कप्तान गिल की कप्तान के रूप में साख मजबूत होगी। हार्दिक को पिछले साल टीम में वापसी पर हूटिंग का सामना करने के बाद प्रशंसकों का प्यार वापस मिल गया है और आईपीएल ट्रॉफी से वह फ्रेंचाइजी के महान खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह पक्की कर लेंगे। हालांकि दोनों कप्तान को खिताब की तलाश में अपने सामने मौजूद मुद्दों का हल खोजना होगा। टाइटंस की टीम अधिक चिंतित होगी क्योंकि उसने प्लेऑफ से पहले लय गंवा दी है। टीम ने अपने पिछले दो मैच में हार के दौरान विरोधी टीम को 465 रन बनाने दिए और प्ले ऑफ में उसे गेंद से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

गुजरात के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद सिराज को पावर प्ले में टीम को सफलता दिलानी होगी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान को नई गेंद से संघर्ष करना पड़ा है जिससे टाइटंस की समस्याएं बढ़ गई हैं और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों पर दबाव बढ़ गया है जो मौजूदा सत्र में 23 विकेट के साथ टीम के लिए तुरुप का पत्ता साबित हुए हैं। तेज गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों के अलावा स्पिन ऑलराउंडर राशिद खान की प्रभावहीनता ने गेंदबाजी में टीम की मुसीबतों को और बढ़ा दिया है।

बल्लेबाजी विभाग में शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, गिल और जोस बटलर ने टीम को प्ले ऑफ में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बटलर लीग चरण के बाद राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए स्वदेश रवाना हो चुके हैं और प्ले ऑफ में टीम को उनकी कमी खलेगी। बटलर के विकल्प के तौर पर टीम ने कुसाल मेंडिस को टीम में शामिल किया है लेकिन देखना होगा कि वह इंग्लैंड के इस स्टार बल्लेबाज की कमी को पूरा कर पाते हैं या नहीं। टाइटंस के मध्यक्रम में मौजूद शाहरूख खान और शेरफेन रदरफोर्ड सबसे अधिक भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल नहीं हैं जिससे मुंबई के खिलाफ टाइटंस की राह आसान नहीं होगी।

टाइटंस की तरह मुंबई को भी विदेशी खिलाड़ियों के जाने से नुकसान हुआ है। शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा के साथ रेयान रिकल्टन ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका का यह बल्लेबाज अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुका है। इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स के साथ भी ऐसा ही है। इंग्लैंड की टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के अलावा रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका को मुंबई ने अपने साथ जोड़ा है। एलिमिनेटर में रोहित के साथ बेयरस्टो पारी का आगाज कर सकते हैं। मध्यक्रम में तिलक वर्मा का खराब प्रदर्शन भी मुंबई के लिए चिंता का सबब है। सूर्यकुमार ने बल्लेबाजी में मुंबई के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह मौजूदा सत्र में 640 रन बना चुके हैं। अगर वह विफल रहते हैं तो मुंबई की राह बेहद मुश्किल हो जाएगी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई के बल्लेबाज जिस रन गति से रन जोड़ रहे हैं वह भी परेशानी का सबब है और हार्दिक को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों की अगुआई में मुंबई के गेंदबाज विरोधी टीम को अधिक परेशान कर रह हैं।

सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय बाहर

सिंगापुर, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने यहां सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। ??अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिंधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई। उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया। पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं। पुरुष एकल में भी भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए।

कभी-कभी कमेंटेटर्स एक ही कहानी पर अटक जाते हैं... कमेंट्री पैनल पर भड़के डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ के एकाना स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए आईपीएल 2025 के लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस मैच में क्वालिफायर 1 में जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण जीत की जरूरत थी, लेकिन लखनऊ ने कप्तान ऋषभ पंत के शानदार शतक की बदौलत 227 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आरसीबी के गेंदबाजों को जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में काफी आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने कमेंट्री बॉक्स से की गई नकारात्मक टिप्पणियों पर कड़ा ऐतराज जताया। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कमेंटेटर्स की आलोचना पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैंने कल रात कमेंट्री सुनी और मुझे बहुत गुस्सा आया। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तब कमेंटेटर्स इतने नकारात्मक थे। वे बार-बार कह रहे थे, 'आरसीबी की गेंदबाजी दबाव में है। ऐसा लगता है कि वे इसे संभाल नहीं पाएंगे। एक बार फिर फॉर्म में चल रही टीम अपनी लय खो रही है।' लेकिन क्या आपने यह सोचा कि शायद यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी पिच थी? सभी समझदार कमेंटेटर्स से मैं कहना चाहता हूं, क्या आपने इस संभावना पर विचार किया कि यह बल्लेबाजी के लिए शानदार सतह थी? डिविलियर्स ने आगे कहा, वे बार-बार कह रहे थे कि आरसीबी की गेंदबाजी इकाई फिर से खराब फॉर्म में है।

ऑस्ट्रेलिया ए और साउथ अफ्रीका ए के भारत दौरे का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सितंबर से दिसंबर 2025 तक होने वाले ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम, ऑस्ट्रेलिया पुरुष ए टीम और दक्षिण अफ्रीका पुरुष ए टीम के भारत दौरे के लिए कार्यक्रम की घोषणा की है। इस दौरान कुल 13 मैच विभिन्न प्रारूपों में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम भारत में तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए आएगी, जो 2025 में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगी। यह सीरीज चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेली जाएगी। यह मैदान जिसे चेपक के नाम से भी जाना जाता है, अपनी शानदार पिच के लिए प्रसिद्ध है। यह सीरीज भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए एक सुनहरा अवसर होगी, क्योंकि वे विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों को परख सकेंगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम, जो विश्व क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति के लिए जानी जाती है, एक कठिन चुनौती पेश करेगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप-कप्तान स्मृति मंधाना के नेतृत्व में टीम इस सीरीज में अपनी रणनीतियों को और मजबूत करने की कोशिश करेगी।

टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहते हैं रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही कप्तानी के दावेदारों में उनका नाम शामिल नहीं रहा हो लेकिन अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि वह एक दिन भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहेंगे चूंकि अपने लंबे कैरियर में अलग अलग कप्तानों के साथ खेलकर वह इस भूमिका को बखूबी समझ गए हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया जबकि ऋषभ पंत उप-कप्तान होंगे। क्या वह भारत के टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं, यह पूछने पर 36 वर्ष के जडेजा ने भारत के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हां, बिल्कुल। इतने सालों में मैने अलग-अलग कप्तानों के साथ खेला है। मुझे हर कप्तान की शैली के बारे में पता है और यह भी समझता हूं कि खिलाड़ी क्या सोचते हैं और चाहते हैं। भारत के लिए 2012 में पहला टेस्ट खेलने वाले जडेजा ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में तीनों प्रारूपों में पदार्पण किया था और आईपीएल में भी उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेले। जडेजा ने कहा, 'हर कप्तान की अपनी शैली होती है। मैने हर प्रारूप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेला है और उनकी सोच बिल्कुल सरल है। अगर उन्हें लगता है कि कोई बल्लेबाज एक ही जगह पर शॉट खेल सकता है तो वहां वह फील्डर जरूर लगाएंगे।

टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के संन्यास के बाद अश्विन ने जडेजा को कप्तान बनाने का समर्थन किया था। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा था, 'हम रविंद्र जडेजा को क्यो भूल जाते हैं। अगर नया कप्तान चाहिए तो मैं कहूंगा कि दो साल के लिए किसी अनुभवी को कमान सौंपने के बाद नए व्यक्ति को बागडोर दी जानी चाहिए। जडेजा ने यह भी कहा कि टेस्ट टीम की बजाय टी20 में कप्तानी अधिक कठिन है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आपको गेंदबाज की जरूरत के मुताबिक दो या तीन फील्डर में बदलाव करना होता है, बल्लेबाज के हिसाब से नहीं। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी अलग है। इसमें ज्यादा माथापच्ची नहीं करनी होती। यह आईपीएल या टी20 की तरह पेचीदा नहीं है, जहां हर गेंद अहम होती है।

पाकिस्तान की जीत में चमके हसन अली और सलमान आगा, बांग्लादेश को दी 37 रनों से पटखनी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने बुधवार को लाहौर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हसन अली ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी (5/30) और शादाब खान के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ने पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सलमान आगा (56 रन, 34 गेंद) और शादाब खान (48 रन, 25 गेंद) की आतिशी पारियों की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बांग्लादेश की टीम हसन अली की घातक गेंदबाजी और शादाब के दो विकेटों (2/26) के सामने 164 रनों पर सिमट गई।

पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलमान और फखर जमान पारी शुरू करने उतरे, लेकिन पहले ही ओवर में सलमान आउट हो गए। महेदी हसन ने उन्हें पहली गेंद पर रिटर्न कैच पकड़ा। अगले ओवर में शोरिफुल इस्लाम ने फखर को इनस्विंगर पर बोल्ड कर दिया। शोरिफुल ने इस विकेट के साथ टी20 में अपने 50 विकेट भी पूरे किए। हालांकि, मोहम्मद हारिस (31 रन, 18 गेंद) ने आक्रामक शुरुआत की और शोरिफुल के एक ओवर में तीन चौके जड़कर दबाव बनाया। कप्तान सलमान ने भी महेदी के खिलाफ तीन चौके लगाए, जिससे पावरप्ले में पाकिस्तान ने 50 रन पार किए। हारिस सातवें ओवर में आउट हुए, लेकिन सलमान ने हसन नवाज़ के साथ मिलकर पारी को संभाला। किस खिलाड़ी की वजह से गिल बने भारतीय टेस्ट कप्तान और कैसी है इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया, सुनील गावस्कर ने बताया

सलमान ने तंजीम हसन और रिशाद हुसैन के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्कूप शॉट्स और लेट कट्स के साथ अपनी बल्लेबाजी का जौहर दिखाया। नवाज़, जो हाल ही में पीएसएल 2025 में अपने प्रदर्शन से चर्चा में थे, ने रिशाद के खिलाफ पहला छक्का जड़ा। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी की। सलमान ने तंजीम को छक्का और चौका लगाया, जबकि नवाज ने रिशाद और हसन महमूद के खिलाफ दो छक्के जड़े। सलमान 56 रन बनाकर हसन महमूद की गेंद पर आउट हुए, जबकि नवाज़ ने 44 रन (22 गेंद) की तूफानी पारी खेली।

शादाब ने डेथ ओवर्स में मचाया धमाल

नवाज़ के आउट होने के बाद पाकिस्तान 18 गेंदों तक बाउंड्री नहीं लगा सका। शमीम हुसैन ने अपनी ऑफब्रेक गेंदों से खुशदिल शाह को आउट कर दबाव बनाया। लेकिन शादाब खान ने 18वें ओवर में रिशाद के खिलाफ 6, 6, 4 का ताबड़तोड़ सिलसिला शुरू किया। फहीम अशरफ ने भी शमीम को छक्का जड़ा, और शादाब ने अंतिम ओवर में शोरिफुल के खिलाफ दो चौके लगाकर पाकिस्तान को 200 के पार पहुंचाया।

धक्का दिया, हेलमेट खींचा... मैदान पर लड़ बैठे बांग्लादेश-साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की इमर्जिंग टीमों के बीच ढाका में चार दिवसीय मुकाबले के दौरान जो कुछ मैदान पर हुआ, उसने जेंटलमैन गेम्स को शर्म कर दिया. इस मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच ततनाव इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई. बांग्लादेश के गेंदबाज और साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज के बीच पहले कहासुनी हुई, फिर मामला एक दूसरे पर हाथ उठाने तक पहुंच गया. इसी बीच अंपायर्स ने खिलाड़ियों को अलग भी किया. लेकिन इसके बावजूद दोनों में कहासुनी होती रही.

यह विवाद बांग्लादेश के 22 वर्षीय बल्लेबाज रिपोन मंडल और साउथ अफ्रीका के 29 वर्षीय गेंदबाज शेपो एंतुली के बीच हुआ. दोनों के बीच कहासुनी हुई और फिर दोनों एक-दूसरे से भिड़ गए. फिलहाल इस बारे में कोई ऑफिशियल एक्शन नहीं हुआ है. अंपायर जल्द ही इस पर अपनी रिपोर्ट सौंप सकते हैं.

यह घटना तब हुई जब रिपोन ने एंतुली की गेंद पर सीधा छक्का लगाया. इसके बाद जब वह अपने साथी बल्लेबाज मेहदी हसन की ओर जा रहे थे, तो उनकी नजर एंतुली से मिली. तभी एंतुली गुस्से में उनकी ओर दौड़ पड़े. दो खिलाड़ियों ने पहले एक-दूसरे को धकेला, फिर एंतुली ने रिपन का हेलमेट खींचा.

अंपायर बीच में आने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन एंतुली ने फिर से हेलमेट खींचा, जिसके बाद अंपायर उन्हें अलग करने में सफल हुए. आसपास खड़े साउथ अफ्रीका इमर्जिंग टीम के खिलाड़ी भी एंतुली को नहीं रोक पाए, और उनमें से कुछ रिपन की तरफ बढ़ते भी दिखे, पर तब तक रिपन ने अपना हेलमेट उतार लिया था.

टीवी कमेंटेटरों का भी आया रिएक्शन

इस झड़प पर टीवी कमेंटेटरों ने भी रिएक्शन दिया. ऑन-एयर कमेंटेटर नाबिल काइजर ने कहा- यह तो बहुत ज्यादा हो गया, यह अस्वीकार्य है. आमतौर पर क्रिकेट के मैदान पर हम केवल जुबानी बहस देखते हैं, लेकिन इस तरह की झड़प कम ही देखने को मिलती है. एंतुली ने एक समय रिपन के हेलमेट पर भी वार किया था.

मैच रेफरी इस घटना की रिपोर्ट दोनों (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) और(क्रिकेट साउथ अफ्रीका) को सौंपेंगे, जो इस मामले में कार्रवाई करेंगे, खासकर क्योंकि यह दौरे का अंतिम मैच है. यह चार दिन का मैच साउथ अफ्रीका इमर्जिंग टीम का दौरे का दूसरा और अंतिम मैच है. उन्होंने वनडे सीरीज 2-1 से हारी थी, जबकि पहले चार दिन का मैच चटगांव में ड्रॉ पर खत्म हुआ था.

श्रीवल्ली अब मेरी दूसरी पहचान बन चुकी है: रश्मिका मंदाना

पुष्पा सिर्फ एक नाम नहीं है, पुष्पा मतलब ब्रैंड। वो फिल्म जिसने सारे रिकॉर्ड तोड़े, दिलों को जीता और लोगों को और देखने के लिए बेकरार छोड़ दिया।

बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचाने के बाद अब पुष्पा राज एक बार फिर हमारे दिलों पर राज करने को तैयार है। इस बार पुष्पा राज वाइल्ड फायर बनकर लौटा है, एक ऐसी कहानी के साथ, जो पहले से कहीं बड़ी, ज़्यादा दमदार और जबर्दस्त ड्रामा से भरपूर है। साल की सबसे बहुप्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2: द रूल' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर होने जा रहा है ज़ी सिनेमा पर, शनिवार 31 मई को शाम 7:30 बजे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे पूरा परिवार साथ बैठकर देख सकता है क्योंकि 'पुष्पा 2' में है एंटरटेनमेंट, इमोशंस और एक्शन का वो लेवल जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। ज़ी सिनेमा पर पुष्पा 2:द रूल के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के मौके पर रश्मिका मंदाना के साथ एक खास चर्चा--

➢**सवाल-** क्या आपको नहीं लगता कि अब आपको आधिकारिक तौर पर अपना नाम श्रीवल्ली रख लेना चाहिए?

➲ जवाबः ओह, सच कहूं तो मुझे लगता है लोग पहले ही मुझे श्रीवल्ली कहने लगे हैं। और मैं पहले भी अपनी टीम से इस बारे में बात कर चुकी हूं... मुझे ऐसा लगता है कि श्रीवल्ली अब मेरी दूसरी पहचान बन चुकी है, और इससे मैं बहुत खुश हूं, और बहुत गर्व महसूस करती हूं। क्योंकि एक एक्टर के लिए सबसे बड़ी बात यही होती है कि लोग उसके काम को पहचानें। और मेरे लिए, यह सबसे बड़ी तारीफ है जो एक एक्टर को मिल सकती है। आज जब लोग मुझे श्रीवल्ली कहकर बुलाते हैं, तो मुझे सच में बहुत खुशी होती है।

➢**सवालः** 'पुष्पा 2' में जथरा वाला सीन आइकॉनिक बन चुका है, खासकर आपका वो पावरफुल मोनोलॉग। इस पर सबका रिएक्शन कैसा था?

➲**जवाबः** मैंने ये सीन पहली बार बड़े पर्दे पर प्रीमियर के दौरान देखा। तब मैं अल्लू अर्जुन सर के बगल में बैठी थी। जैसे ही डायलॉग शुरू हुआ, पूरा थिएटर एकदम शांत हो गया, और जैसे ही सीन खत्म हुआ, लोग सीटी और ताली बजाने लगे। मैं वहीं बैठी रह गई, और हैरान होकर सोचती रही क्या ये सच में हो रहा है? मेरी आंखों में आंसू थे। हर दिन ऐसा नहीं होता कि किसी एक्ट्रेस को उसकी परफॉर्मेंस पर सीटियां और तालियां मिलें और ये मेरे लिए सब कुछ था। मैंने हमेशा खुद से कहा है कि एक दिन ये सारी मेहनत रंग लाएगी और उस पल में, वाकई, पूरे दिल से ऐसा ही लगा।

➢**सवालः** पुष्पा फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों में अल्लू अर्जुन के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

➲**जवाबः** अल्लू अर्जुन सर के साथ काम करना एक शानदार लर्निंग एक्सपीरियंस रहा। वो सेट पर इतनी एनर्जी और कमिटमेंट लेकर आते हैं, जो वाकई बहुत इंस्पायर करता है। उनके किरदार में जो डीटेलिंग और गहराई होती है, उसे देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा। उनका पैशन मुझे भी मोटिवेट करता था कि मैं भी एक परफॉर्मर के तौर पर अपना बेस्ट दूं।

➢ **सवालः** 'पुष्पा 2' को उसके म्यूजिक के लिए भी खूब सराहा जा रहा है। गानों की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

➲**जवाबः** 'पीलिंग्स' सॉन्ग की शूटिंग मेरे लिए एक अलग ही चैलेंज था क्योंकि मुझे किसी के द्वारा उठाए जाने का फोबिया

है

और इस गाने के कई डांस मूव्स में ऐसा ही करना था। मुझे सच में नहीं पता था कि ये सब कैसे हो पाएगा। लेकिन मैंने पूरी तरह से सुकुमार सर और अल्लू अर्जुन सर पर भरोसा किया, और ना जाने कैसे, सब आसान लगने लगा। उनका सपोर्ट और मुझ पर भरोसा ही मेरी हिम्मत बना। मैं अपने डर से बाहर आ पाई और गाने में अपना बेस्ट देने पर फोकस कर सकी। और हां, इस गाने को ढेर सारा प्यार भी मिला।

➢**सवालः** आपके किरदार श्रीवल्ली और पुष्पा के रिश्ते के बारे में कुछ बताइए?

➲**जवाबः** श्रीवल्ली जैसा किरदार निभाना मेरे लिए एक बेहद मुकम्मल अनुभव रहा, क्योंकि ये किरदार अंदर से मजबूत और भावनात्मक रूप से बहुत गहरा है। 'पुष्पा 2' में उसका सफर काफी बदल गया है। वो अब सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी नहीं है, बल्कि जब जरूरत पड़ने पर आवाज उठाने से भी पीछे नहीं हटती। एक अहम सीन है, जिसमें वो पुष्पा के लिए खड़ी होती है, और ये सिर्फ उनके रिश्ते की बात नहीं है, बल्कि उसकी अपनी सोच और हिम्मत की भी बात है। वो पल दिखाता है कि वो कितनी आगे बढ़ चुकी है। और एक एक्टर के तौर पर, उस बदलाव को निभाना मेरे लिए बहुत रिलेटेबल और संतोषजनक रहा। तो तैयार हो जाइए, अपनों को साथ बैठाइए और देखिए 'पुष्पा 2: द रूल' का धमाकेदार वर्ल्ड टेलीविजन।

पीरियड्स कोई समस्या नहीं, जागरूकता की कमी है: करीना कपूर

मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे पर अभिनेत्री करीना कपूर ने पीरियड्स पर खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि वास्तव में पीरियड्स कोई समस्या नहीं, बल्कि यह जागरूकता की कमी है। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने गुजरात के स्कूलों की तारीफ करते हुए लिखा, गुजरात के स्कूलों में अब मासिक धर्म कॉर्नर बनाए गए हैं, जो सुरक्षित और स्वागत योग्य पहल हैं, जहां छात्र कार्ड गेम, रोल-प्ले एप्रन, इंटरैक्टिव मॉडल और किताबों के माध्यम से पीरियड्स के बारे में जानते और सीखते हैं। करीना ने आगे लिखा, यूनीसेफ इंडिया के साथ मिलकर सरकार ने स्कूलों में गेम-चेंजिंग पहल को जगह दी, जो पुरानी धारणाओं को तोड़ रही है और मासिक धर्म के बारे में बातचीत को सामान्य बनाने में मदद कर रही है। 1,03,000 से अधिक लड़कियों और 88,000 लड़कों तक पहुंच के साथ यह न केवल जागरूकता बढ़ा रहा है, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान का भी निर्माण कर रहा है। लड़कियों को स्कूल में बने रहने और अपने सपनों को पूरा करने में मदद कर रहा है। करीना ने पोस्ट में आगे लिखा, पीरियड्स फ्रेंडली वर्ल्ड, आइए हर छात्र के लिए खुली बातचीत और सुरक्षित वातावरण का समर्थन करते रहें। मासिक धर्म मायने रखता है। करीना कपूर से पहले अभिनेत्री संदीपा धर ने बताया कि हर छोटा कदम मायने रखता है। ऐसे में मासिक धर्म को लेकर हमें खुलकर बात करनी चाहिए। इससे पहले पीरियड्स हाइजीन को लेकर निमरत कौर ने बताया था कि मासिक धर्म किसी भी महिला के स्वास्थ्य का एक आवश्यक, प्राकृतिक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिर भी यह चुप्पी में लिपटा हुआ है। लोग इस बारे में बात नहीं करते, लड़कियां संकोच महसूस करती हैं, खासकर पिछड़े क्षेत्रों में। मासिक धर्म से संबंधित चीजों को इन जगहों पर बांटने से लाभ मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि यह प्रयास न केवल जीवन की बुनियादी चीजों की कमी को पूरी करता है, बल्कि पीरियड्स के बारे में बातचीत को सामान्य बनाना भी सुनिश्चित करता है।

पवन कल्याण की OG की शूटिंग के दौरान इमरान हाशमी को हुआ डेंगू, अस्पताल में भर्ती

इमरान हाशमी इन दिनों साउथ पावर स्टार पवन कल्याण की फिल्म OG की शूटिंग में व्यस्त थे, लेकिन अब उन्हें शूटिंग रोकनी पड़ी हैं। क्योंकि इमरान को ओजी की शूटिंग के दौरान डेंगू हो गया है।

ओजी की शूटिंग के दौरान इमरान को हुआ डेंगू

वीरल भयानी की एक पोस्ट के अनुसार, बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी को अब कथित तौर पर डेंगू हो गया है। वह पावर स्टार पवन कल्याण के साथ अपनी आगामी पैन-इंडियन फिल्म ओजी की शूटिंग कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह मुंबई के गोरेगांव के आरे कॉलोनी में शूटिंग कर रहे थे, जहाँ उन्हें डेंगू के लक्षण महसूस होने लगे। फिल्म की प्रोडक्शन यूनिट के करीबी सूत्रों ने पुष्टि की है कि इमरान हाशमी अब स्वस्थ हो रहे हैं और उन्होंने शूटिंग से कुछ समय के लिए ब्रेक ले लिया है। साउथ स्टार पवन कल्याण की आगामी फिल्म ओजी एक आगामी गैंगस्टर एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन सुजीत कर रहे हैं। फिल्म में पवन कल्याण के अलावा इमरान हाशमी और प्रियंका मोहन नजर आएंगी। यह इमरान की पहली तेलुगु फिल्म है। फिल्म का संगीत थमन तैयार कर रहे हैं।

कन्नड़ तमिल से पैदा हुई बयान पर फजीहत के बाद कमल हासन ने दी सफाई, बोले- मैंने प्यार से कहा

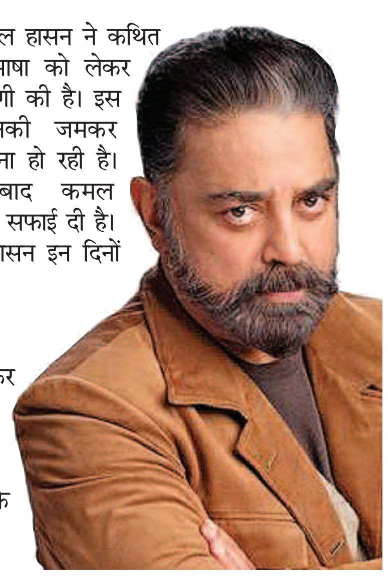

अभिनेता और एमएनएम अध्यक्ष कमल हासन ने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी की है। इस पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। इसके बाद कमल हासन ने सफाई दी है। कलम हासन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म की रिलीज से पहले वे कन्नड़ भाषा पर अपनी एक विवादित टिप्पणी को लेकर चर्चा में आ गए हैं। कमल हासन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा कि आपकी भाषा (कन्नड़) तमिल से पैदा हुई है। इस बयान के बाद अभिनेता की आलोचना हो रही है, जिसके बाद उन्होंने सफाई दी है।

गायिका-अभिनेत्री कावेरी कपूर का नया सिंगल रेमिनिस 30 मई को होगा रिलीज, मोशन पोस्टर जारी

युवा गायिका और अभिनेत्री कावेरी कपूर अपने आगामी सिंगल रेमिनिस के साथ संगीत प्रेमियों के बीच अपनी जगह बनाने के लिए तैयार हैं। यह गाना उनकी पहली फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी के बेहद लोकप्रिय ट्रैक एक धागा तोड़ा मैंने का मूल अंग्रेजी संस्करण है। गाने की घोषणा के साथ ही एक मनमोहक मोशन पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें कावेरी अपने को-स्टार वर्धान पुरी के साथ नजर आ रही हैं, जो प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा रहा है। एक धागा तोड़ा मैंने को अपनी रिलीज के समय दर्शकों और फिल्म उद्योग दोनों से जबरदस्त सराहना मिली थी। यह गाना, जो अपनी धुन और बोल के लिए जाना जाता है, अब अपने मूल रूप में रेमिनिस के माध्यम से सामने आ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि निर्देशक कुणाल कोहली ने रेमिनिस के इस मूल अंग्रेजी संस्करण को बहुत पसंद किया था, जिसके बाद उन्होंने इसे हिंदी में रूपांतरित कर बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी में शामिल करने का फैसला किया था। यह नया सिंगल कावेरी के तेजी से बढ़ते संगीत करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। बता दें कि 2025 में बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म में कदम रखने से पहले ही कावेरी चार म्यूजिक वीडियो रिलीज कर चुकी हैं, जो संगीत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्रतिभा को दर्शाते हैं। रेमिनिस कावेरी के लिए एक बेहद खास गीत है, क्योंकि उन्होंने इसे तब लिखा था जब वह सिर्फ 15 साल की थीं। इस गाने के बोल जीवन और इसकी अप्रत्याशित प्रकृति के बारे में बात करते हैं, और यह संदेश देते हैं कि जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करते हुए कैसे आगे बढ़ना चाहिए। यह गाना कावेरी की संगीत यात्रा का एक गहरा और व्यक्तिगत हिस्सा है, जो उनके कलात्मक परिपक्वता को दर्शाता है। प्रशंसक रेमिनिस के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो 30 मई को आने वाला है। संगीत के साथ-साथ अभिनय के मोर्चे पर भी कावेरी सक्रिय हैं। वह वर्तमान में जाने-माने निर्देशक शेखर कपूर की मासूम 2 सीक्वल पर काम कर रही हैं। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी जैसी दिग्गज जोड़ी वापसी कर रही है, जिससे इस प्रोजेक्ट को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं। कावेरी कपूर का यह नया गाना उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और संगीत उद्योग में अपनी पहचान को मजबूत करने में मदद करेगा।

प्यार का पंचनामा में अपने किरदार पर बोलीं नुसरत

फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी (2018) ने नुसरत भरूचा को दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई। इस फिल्म का निर्देशन लव रंजन ने किया। इससे पहले नुसरत ने लव के ही निर्देशन में बनी प्यार का पंचनामा (2011) में भी काम किया। हाल ही में नुसरत ने खुलासा किया कि प्यार का पंचनामा में उन्हें अपना रोल पसंद नहीं आया था।

नुसरत भरूचा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि फिल्म प्यार का पंचनामा में उन्हें अपना रोल पसंद नहीं आया, लेकिन इसके बावजूद वे उस तरह के रोल फिर करेंगी। युवा के साथ एक बातचीत में नुसरत से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी में उनके किरदारों को ठीक से पेश किया गया है?

फिर से वही किरदार करने की जताई इच्छा

इस पर नुसरत ने कहा, तब भी मैं खुश नहीं थी। मैंने फिल्मों के लिए मना कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लड़की को जिस तरह से पेश किया गया, उससे कोई दिक्कत नहीं है? इस सवाल के जवाब में वे बोलीं, मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है, बिल्कुल नहीं।

अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' के टीजर संग सामने आई रिलीज डेट

दिनेश विजन प्रोड्यूस, श्रीराम राघवन निर्देशित फिल्म 'इक्कीस' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इसकी रिलीज डेट के बारे में जानकारी साझा की है। फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभा रहे हैं। वहीं अरुण खेतरपाल के रोल में अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। फिल्म के टीजर में भी युद्ध, युवा सैन्य अधिकारी की बहादुरी की झलक मिल रही है। इस फिल्म के टीजर पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी रिएक्ट किया है, फिल्म के टीजर को सराहा है। फिल्म 'इक्कीस' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गांधी जंयती के दिन यह फिल्म दर्शक देख पाएंगे, इस फिल्म के जरिए सेना की बहादुरी, शौर्य की गाथा को जान पाएंगे।

करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर संग रोमांस करेगा ये एक्टर, पहली बार बनी जोड़ी

हाल ही में जान्हवी कपूर फिल्म 'होमबाउंड' के प्रीमियर के लिए कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं। इस फिल्म को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया। करण जौहर की एक और फिल्म 'लग जा गले' में भी जान्हवी नजर आएंगी। इस फिल्म में अपने एक्शन के लिए मशहूर हीरो जान्हवी के साथ रोमांस करेगा।

जान्हवी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'धड़क' से की थी। इस फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर थे। हाल ही में वह करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को लेकर भी चर्चा में रही हैं, इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी करण जौहर हैं। जान्हवी अगले साल रिलीज होने वाली फिल्म 'लग जा गले' में नजर आएंगी, इसे भी करण जौहर ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में जान्हवी का हीरो कौन होगा? इसकी जानकारी भी मिली है।

इस एक्टर संग रोमांस करेंगी जान्हवी

एक्टर टाइगर श्रॉफ फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर के अपोजिट नजर आएंगे। यह दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ एक्टिंग कर रहे हैं। फिल्म को राज मेहता निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह एक बदला लेने वाली लव स्टोरी होगी।